

वर्ष-23 अंक- 36
पृष्ठ 8
गुरुवार
22 अक्टूबर 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित

Email : shaharsamta@gmail.com

Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध-

घर की खिड़कियों के लिए...

विचार-

गांव की रामलीला: तब और अब...

खेल-

आईसीसी अंडर-19 महिला टी20...

पुलिस स्मृति दिवस पर सीएम योगी का संदेश-

नए यूपी में कानून से ऊपर कोई नहीं

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि नए उत्तर प्रदेश में कानून से ऊपर कोई नहीं है और पुलिस को अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने की मिली स्वतंत्रता के कारण प्रदेश उपद्रव से उत्सव का प्रदेश बन पाया है। योगी आदित्यनाथ ने पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर एक्स पर एक संदेश साझा कर कर्तव्य का निर्वहन करते हुए अपने प्राण न्योछावर करने वाले पुलिसकर्मियों को नमन किया। मुख्यमंत्री ने कहा, ध्वाज पुलिस स्मृति दिवस पर मैं उन सभी वीर पुलिसकर्मियों को कृतज्ञतापूर्वक नमन करता हूँ जिन्होंने देश की सुरक्षा, समाज की शांति और नागरिकों के जीवन की रक्षा करते हुए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया। कर्तव्य की वेदी पर अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर पुलिसकर्मियों का



शौर्य, साहस और समर्पण हम सभी के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उन्होंने कहा, 2017 से पहले प्रदेश में माफिया का राज था। उस समय अराजक तत्वों के हौसले इतने बुलंद थे कि मथुरा के जवाहर बाग में कानून की रक्षा करते हुए वीर पुलिस अधिकाारियों को अपने प्राणों का बलिदान देना पड़ा। मुख्यमंत्री ने

कहा, नए उत्तर प्रदेश में कानून से ऊपर कोई नहीं है। प्रदेश उपद्रव से उत्सव का प्रदेश बना है और पुलिस को अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने की स्वतंत्रता मिली है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 2.26 लाख से अधिक पुलिसकर्मियों की भर्ती, प्रशिक्षण क्षमता में 10 गुना वृद्धि, सात बड़े शहरों में पुलिस आयुक्त

● बोले उपद्रव से उत्सव का प्रदेश बना उत्तर प्रदेश

प्रणाली लागू करने, प्रत्येक जिले में साइबर थाने और हर थाने में महिला सहायता कक्ष स्थापित करने से पुलिस व्यवस्था अधिक सक्षम, आधुनिक और जवाबदेह बनी है। योगी ने कहा कि गैंगस्टर अभिनियम के तहत 88,973 अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई और 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक की अवैध संपत्ति जब्त करना अपराधों और अपराधियों के विरुद्ध सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वीर पुलिसकर्मियों के बलिदान और उनके परिवारों के त्याग को सदैव स्मरण रखते हुए प्रदेश को सुरक्षित, न्यायपूर्ण और भयमुक्त बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास किए जाते रहेंगे।

दिसंबर 2029 तक देश को नशे की समस्या से मुक्त करने का लक्ष्य : शाह

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि आने वाली पीढ़ियों को नशे की समस्या से मुक्त कराने तथा देश विरोधी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए सरकार ने 31 दिसंबर 2029 तक देश को नशे की समस्या से मुक्त करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि इसके लिए वर्ष 2026 के शेष समय और 2027, 2028 तथा 2029 में पुलिस बलों को मिलकर नशे के खिलाफ लड़ाई लड़नी होगी। श्री शाह ने बुधवार को यहां पुलिस स्मृति दिवस पर राष्ट्रीय पुलिस स्मारक में शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि देने के बाद यह बात कही। इस मौके पर उन्होंने नशे के खिलाफ जागरूकता पैदा करने के लिए देशव्यापी मोटरसाइकिल रैली को भी रवाना किया। उन्होंने कहा कि



नशे की समस्या आने वाली पीढ़ियों को कमजोर करती है, अर्थव्यवस्था पर बोझ डालती है और देश विरोधी गतिविधियों में लगे संगठनों को आर्थिक मदद भी पहुंचाती है। उन्होंने देशभर के पुलिस बलों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तैयार 'नशा मुक्त भारत' की योजना

राहुल गांधी की विदेश यात्रा पर बोले थरूर, कहा-मैं ट्रैवल एजेंट हूँ क्या?

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने राहुल गांधी की विदेश यात्रा को लेकर पूछे गए सवाल पर दो दृक जवाब दिया। उन्होंने कहा कि वह कोई ट्रैवल एजेंट नहीं



हैं, इसलिए उनसे यह पूछना ठीक नहीं है कि राहुल गांधी विदेश क्यों गए हैं। दरअसल, इन दिनों दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों को लेकर विपक्ष का विरोध-प्रदर्शन चल रहा है। इसी बीच राहुल गांधी के विदेश जाने पर सवाल उठ रहे हैं।

राहुल गांधी की विदेश यात्रा को लेकर भारतीय जनता पार्टी लगातार कांग्रेस पर निशाना साध रही है।

भाजपा का आरोप है कि दिल्ली में विरोध-प्रदर्शनों के दौरान बार-बार झूठ बोलने के बाद राहुल गांधी छुट्टियां मनाते विदेश चले गए हैं।

राहुल गांधी विदेश से तख्तापलट की कोचिंग लेने गए : संबित पात्रा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सीजेपी नेताओं के विरोध प्रदर्शनों को लेकर विपक्ष पर निशाना साधा। भाजपा ने बार-बार विरोध प्रदर्शनों को लेकर सवाल उठाया और आरोप लगाया कि देश में इन प्रदर्शनों के दम पर तख्तापलट की साजिश रची जा रही है। भाजपा ने राहुल गांधी के विदेश दौरे पर भी सवाल उठाए और कहा कि राहुल गांधी विदेश में तख्तापलट की कोचिंग लेने गए हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कहा कि कुछ

दिनों से देश में ऐसा माहौल बनाया गया कि कुछ लोग देश का तिरंगा फहराना चाहते हैं, लेकिन भारत की सरकार कितनी तानाशाही है कि इन लोगों को तिरंगा फहराने से रोक रही है। आज आशुतोष रांका और सौरव दास की ज्यूडिशियल कस्टडी पर दिल्ली हाईकोर्ट में जो सुनवाई हुई, उसे देश के लोगों को जानना चाहिए। रांका और दास ने बॉन्ड

भरा था कि वे ऐसा कुछ नहीं करेंगे, जिससे अशांति फैले, लेकिन निकलने के कुछ घंटे के बाद ही उन्होंने अपने पीस बॉन्ड को तोड़ा। वे जो विक्टिम कार्ड लेकर घूम रहे थे, वो आज दिल्ली हाईकोर्ट के सवालों से तार-तार हो गया।

संबित पात्रा ने बताया कि दिल्ली हाईकोर्ट ने सीजेपी



नेताओं से पूछा कि वे बार-बार विरोध प्रदर्शन क्यों कर रहे हैं? जज ने कहा कि आपने पहले जिस कारण के लिए प्रदर्शन किया वो खत्म हो चुका है तो फिर अब अलग-अलग कारणों के लिए प्रदर्शन क्यों किया जा रहा है?

पात्रा ने कहा श्वार-बार विरोध प्रदर्शन का क्या मकसद है, ये विपक्षी नेता अपने बयानों से बता चुके हैं और वो है सत्ता

को चिंग क्लास लेने गए हैं सोरोस एंड कंपनी से किस प्रकार से देश में सत्ता परिवर्तन किया जा। कहां उनसे चूक रह गई।

कोशिश तो पूरी की थी लेकिन देश के लोगों ने साथ नहीं दिया। संबित पात्रा ने कहा प्रधानमंत्री मोदी ने विजयदशमी की रैली में कहा कि हमें देश के दुश्मनों से सावधान रहने की जरूरत है।

एसबीआई के कई ग्राहकों के निजी डाटा डार्क वेब पर लीक

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के कई ग्राहकों के निजी डेटा डार्क वेब पर लीक होने की जानकारी सामने आई है। सार्वजनिक क्षेत्र के देश के सबसे बड़े ऋणदाता ने बुधवार को शेयर बाजार को बताया कि उसके करीब पौने चार लाख ग्राहकों के डाटा उपलब्ध थे जिनमें 3,800 से अधिक खातों के निजी डेटा लीक होने की पुष्टि हो चुकी है। बैंक द्वारा जारी अपडेट के अनुसार, 16 अक्टूबर 2026 को उसे अपने श्वेट इंटेलिजेंस सर्विस प्रोवाइडर, शिफेंस साइबर एजेंसी और रसीआईआरटी-इनश से एक अलर्ट मिला।

मोदी ने पुलिस स्मृति दिवस पर शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि दी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को पुलिस स्मृति दिवस पर शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री श्री मोदी नागरिकों की रक्षा और जन सुरक्षा बनाए रखने के लिए उनके समर्पण के लिए आभार जताया और देश की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वालों के साहस और बलिदान का सम्मान किया। श्री मोदी ने रशेक्सस पर पोस्ट किए गए एक संदेश में कहा कि पुलिस स्मृति दिवस उन पुलिसकर्मियों के समर्पण को पहचानने का मौका देता है, जो मुश्किल हालात में अपनी जिम्मेदारियां निभाते हैं।

जौनपुर में 22 व 23 अक्टूबर को एमएलसी के चुनाव के लिये कलेक्ट्रेट के सभी न्यायालय रहेंगे बंद

जौनपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में जौनपुर के जिलाधिकारी सह जिला निर्वाचन अधिकारी सैमुअल पॉल एन. ने बताया कि जिले में उत्तर प्रदेश विधान परिषद वाराणसी खण्ड स्नातक एवं खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र का मतदान 23 अक्टूबर को होना नियत है। इसलिए 22 और 23 अक्टूबर को कलेक्ट्रेट के समस्त न्यायालय को बंद कर दिया गया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार कलेक्ट्रेट में सभी न्यायालय कक्षों को निर्वाचन में मतदेय स्थल बनाया गया है।

सेंगोल बनाने वाले वुम्मिदी एथिराजुलु का निधन, पीएम मोदी और तमिलनाडु के राज्यपाल ने जताया शोक

चेन्नई, एजेंसी। भारत की आजादी के समय ऐतिहासिक सेंगोल के निर्माण में अहम भूमिका निभाने वाले वुम्मिदी एथिराजुलु का निधन हो गया है। उनके निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने शोक व्यक्त किया है। बता दें कि इनके परिवार ने ही संसद में स्थापित किए



गए 'सेंगोल' को 75 साल पहले बनाया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, तिरु वुम्मिदी एथिराजुलु के निधन से गहरा दुख हुआ। तमिलनाडु के एक प्रतिष्ठित परिवार से आने वाले एथिराजुलु को उनके द्वारा पूर्व पीएम नेहरू को भेंट किए गए ऐतिहासिक सेंगोल के लिए याद किया जाएगा। कई साल बाद 2023 में केंद्र सरकार को नए संसद भवन में सेंगोल को गौरव का स्थान देने का सम्मान मिला। उस दौरान मुझे तिरु वुम्मिदी एथिराजुलु से मिलने और राष्ट्र और संस्कृति के लिए उन्होंने जो किया है, उसके लिए आभार व्यक्त करने का सम्मान मिला। पीएम मोदी ने लिखा, उनका जीवन और शिल्प कौशल भारत की गौरवशाली परंपराओं और हमारी राष्ट्रीय यात्रा के बीच एक उल्लेखनीय संबंध का प्रतिनिधित्व करता है। उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति मेरी संवेदना। ओम शांति। तमिलनाडु राजभवन (लोकभवन) की ओर से भी शोक संदेश जारी किया गया। तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने कहा, तिरु वुम्मिदी एथिराजुलु, जिन्होंने 1947 में 20 साल की छोटी उम्र में पवित्र सेंगोल के निर्माण में ऐतिहासिक भूमिका निभाई थी, का निधन हो गया है। सेंगोल के निर्माण में उनका योगदान, जो भारत की सम्यतागत विरासत, धर्मपूर्ण शासन और स्वतंत्रता की शुरुआत में सत्ता हस्तांतरण का एक कालातीत प्रतीक है, हमेशा श्रद्धा और गर्व के साथ याद किया जाएगा।

दैनिक एवं साप्ताहिक हिंदी समाचार पत्र



Website
www.shaharsamta.com



Subscribe on YouTube
youtube.com/@shaharsamtanews

सही खबर, सही समय पर

PRESS

हमेशा आपके साथ



शहर समता
संयम ★ संस्कार ★ संतुलन

अधिवक्ता हत्याकांड: पीड़ित परिवार से मिले सपा प्रदेश अध्यक्ष, न्याय दिलाने का दिया भरोसा

प्रयागराज। प्रयागराज के सलोरी में अधिवक्ता सतीश चंद्र श्रीवास्तव की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या के बाद सियासी हलचल तेज हो गई है। सपा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर न्याय दिलाने और हरसंभव मदद का भरोसा दिया। परिजनों ने सरकारी सहायता नहीं मिलने पर नाराजगी जताई। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने मंगलवार को सलोरी मोहल्ले में गोलीकांड में मारे गए अधिवक्ता सतीश चंद्र श्रीवास्तव के परिजनों से मुलाकात की। अधिवक्ता की १५ अक्तूबर को दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस दौरान प्रदेश कार्यालय में निर्वाचन का कार्य देख रहे प्रदेश सचिव केके श्रीवास्तव सहित स्थानीय नेता और पदाधिकारी भी मौजूद रहे। सपा नेताओं ने मृतक अधिवक्ता की पत्नी वर्षा श्रीवास्तव, बेटियों वैष्णवी और वैशाली तथा अन्य परिजनों से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली।

मृतक की पत्नी और बेटियों ने जमीन विवाद को लेकर हुई हत्या की घटना बताते हुए अपना दुख व्यक्त किया। परिजनों ने अब तक किसी तरह की सरकारी सहायता नहीं मिलने पर नाराजगी भी जताई। पीड़ित परिवार को ढांडस बंधाते हुए सपा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल और प्रदेश सचिव केके श्रीवास्तव ने कहा कि दुख की इस घड़ी में पूरी पार्टी उनके साथ खड़ी है। उन्होंने परिवार को न्याय दिलाने के लिए हरसंभव मदद करने का भरोसा दिया। साथ ही परिजनों को सपा प्रमुख अखिलेश यादव से मिलवाने का आश्वासन भी दिया।

फूल व्यवसायी का शव रीवा रोड पर रखकर किया चक्काजाम, ससुरालियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग पर अड़े

प्रयागराज। फूल व्यवसायी द्वारा फंदे पर लटक कर जान दिए जाने के मामले में उसके घर वालों ने मंगलवार की शाम रीवा रोड पर शव रखकर चक्का जाम कर दिया। वह ससुराल वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग कर रहे थे।

फूल व्यवसायी द्वारा फंदे पर लटक कर जान दिए जाने के मामले में उसके घर वालों ने मंगलवार की शाम रीवा रोड पर शव रखकर चक्का जाम कर दिया। वह ससुराल वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग कर रहे थे। आरोप है कि फूल व्यवसाई सोमवार को अपनी ससुराल पत्नी को विदा कराने गया था। ससुराल वालों ने उसे उसके साथ नहीं भेजा, जिससे वह डिप्रेशन में चला गया था।

नैनी थाना क्षेत्र के उभाव गांव निवासी मनीष भारतीय (२७) पुत्र सूरज भारतीय फूल का व्यवसाय करता था। उसकी शादी पिछले साल धूरपुर थाना क्षेत्र के बलापुर गांव निवासी पन्नालाल की पुत्री खुशी के साथ हुई थी। बीते चार महीने से उसकी पत्नी खुशी मायके में रहने लगी थी । मायके वाले उसकी विदाई नहीं कर रहे थे। दशहरे के पर्व को देखते हुए मनीष सोमवार को पत्नी को विदा कराने के लिए ससुराल गया था।

ससुराल वालों ने उसे वापस लौटा दिया, जिससे वह डिप्रेशन में चला गया। सोमवार की रात वह खाना खाकर अपने कमरे में सोने गया था। सुबह देर तक जब उसका कमरा नहीं खुला, तो पिता सूरज भारतीय उसे जगाने के लिए गया। उसका शव दुपट्टा के सहारे पंखे के चूल्ले से लटक रहा था । मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतरवा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शव वापस लौटने पर उसे उभाव के सामने रीवा रोड पर रखकर चक्का जाम कर दिया। ससुराल वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद चक्काजाम समाप्त कर दिया गया।

ससुर खदेरी नदी से संवरेगी नई टाउनशिप, एयरोसिटी में बनेगा रिवर फ्रंट

प्रयागराज। एयरपोर्ट के पास प्रस्तावित नई टाउनशिप ‘एयरोसिटी’ में ससुर खदेशी रिवर फ्रंट का निर्माण कराया जाएगा। टाउनशिप की प्लानिंग के लिए टेंडर आमंत्रित किए गए थे और जल्द ही एक कंपनी का चयन कर प्रस्ताव रियल स्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) के पास भेजा जाएगा।

इस टाउनशिप से न केवल प्रयागराज के लोगों को फायदा मिलेगा, बल्कि पड़ोसी जिले कौशाम्बी की २६ लाख की आबादी को भी बड़ी राहत मिलेगी। रिंग रोड और एयरोसिटी में प्रस्तावित नई सड़कों के निर्माण से कौशाम्बी और प्रयागराज की कनेक्टिविटी बेहतर होगी। कौशाम्बी के लोगों के लिए प्रयागराज एयरपोर्ट पहुंचना काफी आसान हो जाएगी और दूरी भी कम हो जाएगी।

नई टाउनशिप में आईटी पार्क, रिवर फ्रंट जैसी योजनाओं पर काम होना है। इसके अलावा अस्पताल, स्कूल, खेल के मैदान, सामुदायिक केंद्र, विधि खंड भी प्रस्तावित हैं। पूरी टाउनशिप में सीवर लाइन व पानी की पाइप लाइन बिछाई जाएगी, पेयजल आपूर्ति के लिए नलकूप व ओवरहेड टैंक का निर्माण कराया जाएगा। इन विकास कार्यों की प्लानिंग के लिए एक एजेंसी का चयन किया जाना है जिसके लिए टेंडर की प्रक्रिया चल रही है। एजेंसी एयरोसिटी का ले–आउट तैयार करेगी जिसमें तय होगा कि सड़क, आईटी पार्क, रिवर फ्रंट, अस्पताल, स्कूल व अन्य निर्माण कार्य कहां कराए जाने हैं।

प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने नई टाउनशिप से जुड़े कार्यों में तेजी लाने के लिए मौके पर अलग से एक कार्यालय का सेटअप भी तैयार कर लिया है, जिसका उद्घाटन जल्द होगा। इस कार्यालय के माध्यम से केवल नई टाउनशिप से जुड़े कार्यों का संचालन किया जाएगा।

नई टाउनशिप के साथ मेट्रो रेल के प्रस्तावित प्रोजेक्ट पर भी प्रयागराज विकास प्राधिकरण काम कर रहा है। मेट्रो रेल का आखिरी स्टेशन नई टाउनशिप में प्रस्तावित है। ऐसे में फायदा कौशाम्बी के लोगों को भी मिलेगा। कौशाम्बी की सीमा पर प्रस्तावित एयरोसिटी के रास्ते लोग प्रयागराज में मेट्रो ट्रेन के जरिये इलाहाबाद विश्वविद्यालय, संगम, रेलवे स्टेशन, सिविल लाइंस बस अड्डा व अन्य महत्वपूर्ण स्थलों तक आसानी से पहुंच सकेंगे। इन सभी स्थानों पर मेट्रो रेल के स्टेशन होंगे।

नई टाउनशिप के लिए जमीन लेने से पहले प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने खतौनियों में त्रुटि सुधार की प्रक्रिया शुरू करा दी है। इसके लिए प्राधिकरण ने खतौनियां तहसील सदर को सौंप दी हैं। तहसील स्तर पर त्रुटियां दूर की जाएंगी और इसके बाद खतौनियों का प्रकाशन कर टाउनशिप के लिए काश्तकारों से जमीन लेने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

एयरपोर्ट के निकट प्रस्तावित नई टाउनशिप एयरोसिटी से जुड़े कई कार्य प्रगति पर हैं। पड़ोसी जिले कौशाम्बी के नागरिकों को इसका लाभ कैसे मिले, इसे ध्यान में रखते हुए प्रोजेक्ट तैयार किया जा रहा है। नई टाउनशिप में ससुर खदेरी रिवर फ्रंट, आईटी पार्क आदि का निर्माण भी कराया जाना है जिसका ले–आउट प्लान किसी एजेंसी के माध्यम से तैयार कराया जाएगा। इसके लिए टेंडर की प्रक्रिया चल रही है। एजेंसी के माध्यम से प्रोजेक्ट तैयार होने के बाद रेरा को मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। —ऋषि राज, उपाध्यक्ष, प्रयागराज विकास प्राधिकरण

१११ साल पुरानी रामलीला में अतिक्रमण पर विवाद, धरने पर बैठे राम-लक्ष्मण, सीता और हनुमान

प्रयागराज। प्रयागराज के महेवा कला में १११ साल पुरानी रामलीला की परंपरा पर रास्ते के अतिक्रमण का विवाद भारी पड़ गया। विजय दशमी के दिन राम, लक्ष्मण, सीता और हनुमान की भूमिका निभाने वाले



कलाकार धरने पर बैठ गए। करीब तीन घंटे तक चले गतिरोध के कारण गांव में विजय जुलूस नहीं निकल सका। पुलिस के हस्तक्षेप और रास्ते से अतिक्रमण हटवाने के आश्वासन के बाद धरना समाप्त हुआ। रात में दशहरा मैदान में रावण दहन किया गया।

विजय दशमी पर जहां भगवान राम की विजय के उत्सव में गांव–गांव उल्लास और उमंग का माहौल था, वहीं महेवा कला में १११ साल पुरानी

रामलीला के आयोजन पर रास्ते के विवाद ने ग्रहण लगा दिया। राम, लक्ष्मण, सीता और हनुमान की भूमिका निभाने वाले कलाकार ही धरने पर बैठ गए। रामलीला कमेटी के

पदाधिकारियों ने रास्ते पर

रामलीला कमेटी के प्रबंधन निदेशक आशुतोष श्रीवास्तव ने पुलिस को दी गई सामूहिक शिकायत में आरोप लगाया कि रामलीला के मुख्य मार्ग पर सेंटिक टैंक, लोहे के एंगल, पाइप और छत का निर्माण होने

पिछले वर्ष रामलीला की तैयारियों के दौरान भी विवाद होने और मांडा थाने में प्राथमिकी दर्ज कराए जाने का उल्लेख किया गया है। मंगलवार को एक बार फिर विवाद होने पर भारतगंज चौकी की पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन कलाकारों और कमेटी के पदाधिकारियों का विरोध जारी रहा। वे रास्ते की समस्या का तत्काल समाधान चाहते थे।

तीन घंटे तक चला गतिरोध, आश्वासन पर खत्म हुआ धरना स्थिति को देखते हुए थाना प्रभारी कुलदीप शर्मा ने हस्तक्षेप किया। उन्होंने कमेटी को कानूनी सहायता उपलब्ध कराने और राजस्व विभाग के समन्वय से रास्ते से अतिक्रमण हटवाने का भरोसा दिया। अधिकारियों से वार्ता के बाद कलाकार धरना समाप्त करने पर राजी हुए। हालांकि, विरोध और बातचीत में हुई देरी के कारण गांव में विजय जुलूस निकालने का कार्यक्रम रद्द करना पड़ा। रात करीब साढ़े आठ बजे दशहरा मैदान में रावण दहन कर परंपरा का निर्वहन किया गया। घटना को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है। अब सबकी निगाहें रास्ते के विवाद के समाधान और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पर टिकी हैं।

पिछले साल भी हुआ था विवाद
कमेटी की शिकायत में

मूर्ति विसर्जन के दौरान नदी में डूबने से चाचा–भतीजे की मौत, सुरक्षा इंतजामों पर उठे सवाल

प्रयागराज। टोंस नदी में मूर्ति विसर्जन के दौरान डूबने से चाचा–भतीजे की मौत हो गई। हादसा मंगलवार सुह पाटलेश्वर मंदिर के पास हुआ। करीब चार घंटे की मशक्कत के बाद गोताखोरों ने दोनों के शव नदी से बाहर निकाले।

टोंस नदी में मूर्ति विसर्जन के दौरान डूबने से चाचा–भतीजे की मौत हो गई। हादसा मंगलवार सुबह पाटलेश्वर मंदिर के पास हुआ। करीब चार घंटे की मशक्कत के बाद गोताखोरों ने दोनों के शव नदी से बाहर निकाले। घटना से दीवान का पूरा गांव शोक में डूब गया। वहीं, परिजनों और ग्रामीणों ने विसर्जन स्थल पर पुलिस की तैनाती और सुरक्षा इंतजामों की कमी को हादसे की वजह बताया है। जानकारी के अनुसार, दीवान का पूरा गांव निवासी राहुल पांडेय (२०) और अमित कुमार पांडेय (२२) मंगलवार सुबह करीब १० बजे मूर्ति विसर्जन के लिए टोंस नदी पहुंचे थे। इस दौरान दोनों गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। आसपास मौजूद लोगों ने



भेज दिया। राहुल १२वीं का छात्र था, जबकि अमित स्नातक की पढ़ाई पूरी कर चुका था। दोनों के पिता खेती–किसानी करते हैं। एक ही परिवार के दो युवकों की मौत से परिजनों का

ले लिए बैरिकेडिंग की गई थी। उनका कहना है कि समय पर पुलिसकर्मी मौजूद होते और सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए होते तो हादसा टल सकता था। वहीं, थानाध्यक्ष अनिल पांडेय

एसडीएम करछना संदीप तिवारी ने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाले दोनों युवकों के परिजनों को दैवीय आपदा के तहत पांच–पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

आपराधिक मामले में बरी होने से खत्म नहीं होता विभागीय दंड, पुलिसकर्मी के खिलाफ विभागीय दंड बहाल

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि आपराधिक मुकदमे में संदेह का लाभ देकर बरी होने मात्र से कर्मचारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई खत्म नहीं हो जाती। विभागीय जांच में आरोप साबित करने का मानक आपराधिक मुकदमे से अलग है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि आपराधिक मुकदमे में संदेह का लाभ देकर बरी होने मात्र से कर्मचारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई खत्म नहीं हो जाती। विभागीय जांच में आरोप साबित करने का मानक आपराधिक मुकदमे से अलग है।

इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति अरिंदम सिन्हा और न्यायमूर्ति सत्यवीर सिंह की खंडपीठ ने राज्य सरकार की याचिका स्वीकार कर ली। साथ ही अलीगढ़ निवासी पुलिसकर्मी जितेंद्र कुमार के खिलाफ

विभागीय दंडादेश और अपीलीय आदेश निरस्त करने संबंधी राज्य सेवा न्यायाधिकरण का फैसला रद्द कर दिया। विभागीय दंड को बहाल कर दिया।



पुलिसकर्मी पर ज़ुट्टी के दौरान शराब के नशे में रहने और एक महिला के घर में अवेध रूप से घुसने समेत अन्य आरोप लगे थे। आपराधिक मुकदमे में महिला के बयान से आरोपी के पड़चान की पुष्टि नहीं हो सकी। इसका लाभ देते हुए अदालत

ने उसे बरी कर दिया था। बाद में न्यायाधिकरण ने कर्मचारी को बचाव का पर्याप्त अवसर नहीं मिलने के आधार पर विभागीय दंडादेश निरस्त कर

होम्योपैथिक दवा का लिया था सहारा

कर्मचारी ने दावा किया था कि घटना के समय वह परीक्षा केंद्र पर सुरक्षा ड्यूटी कर रहा था। उसने यह भी कहा था कि होम्योपैथिक दवा के सेवन से उसके शरीर में अल्कोहल पहुंचा था। हालांकि, अदालत के समक्ष चिकित्सीय जांच रिपोर्ट उपलब्ध नहीं थी। हाईकोर्ट ने रिकॉर्ड का परीक्षण करने के बाद कर्मचारी के घटनास्थल पर मौजूद न होने के दावे को

स्वीकार नहीं किया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि आपराधिक मुकदमे में दोष सिद्ध करने के लिए आरोप संदेह से परे साबित करना जरूरी है, जबकि विभागीय जांच में संभावनाओं की प्रबलता के आधार पर निर्णय लिया जा सकता है।

रेलवे में स्टेशन मास्टर के १२५० पदों पर भर्ती, प्रयागराज में करीब १०० पद

प्रयागराज। रेलवे में स्टेशन मास्टर बनने की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए भर्ती का अवसर है। कुल १२५० पदों पर नियुक्ति की जाएगी, जिनमें करीब १०० पद आरआरबी प्रयागराज के हिस्से में हैं। ऑनलाइन आवेदन २७ अक्तूबर से २५ नवंबर तक किए जा सकेंगे। न्यूनतम आयु सीमा २० वर्ष निर्धारित की गई है।



रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) की ओर से स्टेशन मास्टर के कुल १२५० रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी। इनमें से करीब १०० पद आरआरबी प्रयागराज के अंतर्गत भरे जाएंगे। भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया २७ अक्तूबर से शुरू होकर २५ नवंबर तक चलेगी। स्टेशन मास्टर का पद सातवें वेतन आयोग के तहत पे–लेवल छह में आता है। इस भर्ती के लिए न्यूनतम आयु सीमा १८ वर्ष से बढ़ाकर २० वर्ष कर दी गई है। अभ्यर्थियों की आयु की गणना एक जनवरी २०२७ के आधार पर की जाएगी। इच्छुक अभ्यर्थियों को आवेदन करने से पहले भर्ती की आधिकारिक अधिसूचना में निर्धारित शैक्षिक योग्यता, आयु सीमा, आरक्षण और अन्य शर्तों की जानकारी अवश्य देखनी चाहिए।

स्नातक एमएलसी चुनाव: प्रयागराज में ३१६३ बोगस वोटर मिले, एक ही वोटर लिस्ट ने तीन से चार जगह हैं कई लोगों के नाम

प्रयागराज। स्नातक चुनाव को लेकर भाजपा व सपा आमने–सामने है। इलाहाबाद–झांसी खंड से भाजपा और समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी मैदान में हैं। लगातार प्रचार प्रसार चल रहा है। स्नातक चुनाव को लेकर भाजपा व सपा आमने–सामने है। इलाहाबाद–झांसी खंड से भाजपा और समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी मैदान में हैं। लगातार प्रचार प्रसार चल रहा है। इसी बीच भारतीय जनता पार्टी ने इलाहाबाद झांसी खंड के विभिन्न जिलों में बोगस मतों की सूची जारी की है जिसमें सबसे ज्यादा प्रयागराज के बोगस वोटर मिले हैं जिनकी संख्या ३१६३ है। इसमें तमाम ऐसे वोटर हैं जिनका एक ही वोटर लिस्ट में दो से तीन बार नाम जोड़ा गया है। भाजपा ने इसके लिए निर्वाचन आयोग को भी पत्र लिखा है। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता आशीष गुप्ता ने बताया कि यदि किसी व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में एक से अधिक बार पाया जाता है, तो कानूनी कार्रवाई और सजा का प्रावधान है। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम १९५० की धारा १७ और १८ के अनुसार, कोई भी नागरिक एक से अधिक निर्वाचन क्षेत्र में या एक ही क्षेत्र की मतदाता सूची में एक से अधिक बार अपना नाम दर्ज नहीं करा सकता। यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर गलत जानकारी देकर या सच छिपाकर एक से अधिक मतदाता पहचान पत्र बनवाता है या एक से अधिक जगह नाम दर्ज रखता है, तो धारा ३१ के तहत उसे १ वर्ष तक की जेल, जुर्माना या दोनों की सजा हो सकती है।

स्वीकार किए गए ठेके के बकाये का भुगतान रोकना मनमाना: हाईकोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि राज्य प्राधिकरण की ओर से स्वीकार किए गए अनुबंध संबंधी बकाये का भुगतान रोकना मनमाना है। इसकी बकाया राशि की वसूली के लिए अनुच्छेद–२२६ के तहत रिट याचिका दाखिल की जा सकती है।

यह टिप्पणी न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति इंद्रजीत शुक्ला की खंडपीठ ने चंदौली नगर पंचायत के लिए निर्माण कार्य करने वाले एक ठेकेदार की याचिका पर की है। ठेकेदार ने दावा किया था कि बार–बार अनुरोध के बावजूद २८,४३,४४३ रुपये के बिलों का भुगतान नहीं किया गया। कोर्ट ने पाया कि नगर पंचायत के कार्यकारी अधिकारी ने व्यक्तिगत हलफनामे में पहले वर्क ऑर्डर के तहत ७,९२,५८० रुपये बकाया होने की बात स्वीकार की गई। दूसरे वर्क ऑर्डर के तहत ६,३१,८९० रुपये का भुगतान लंबित बताया गया। क्योंकि, ठेकेदार ने निर्धारित फ़ॉरम में बिल जमा करने के बजाय अधूरा फॉर्म नंबर २६ दाखिल किया था। संबंधित कार्य का इंजीनियरों से प्रमाणीकरण भी लंबित था। हालांकि, काम पूरा होने को लेकर कोई विवाद नहीं था।

कोर्ट ने कहा स्वीकार किए गए बकाये को अनिश्चितकाल तक रोकें रखना मनमाना है। इससे ठेकेदार के वैध दावे की कीमत पर सरकारी प्राधिकरण को अनुचित लाभ मिलेगा। कोर्ट ने ७,९२,५८० रुपये की राशि को स्वीकार किया हुआ बकाया मानते हुए उसका भुगतान करने का आदेश दिया। दूसरे वर्क ऑर्डर के तहत ६,३१,८९० रुपये के लिए याची को दो सप्ताह में निर्धारित औपचारिकताएं पूरी कर नया बिल पेश करने के लिए कहा है।

कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि चार सप्ताह में स्वीकार किए गए बकाये का भुगतान करने और भुगतान की तारीख तक छह प्रतिशत वार्षिक साधारण ब्याज के साथ करना होगा।

नहीं रहे वरिष्ठ गीतकार पं. दयाशंकर पांडेय, निधन से साहित्य जगत में शोक

प्रयागराज। पं. दयाशंकर पांडेय के प्रमुख काव्य–संग्रहों में सुधियों की परतें (२००१), परछाइयां (२००४) और प्रतीक्षा के पहर (२०१४) उल्लेखनीय हैं। उनके संग्रह परछाइयां का द्वितीय संस्करण भी २०१४ में प्रकाशित हुआ। आकाशवाणी और दूरदर्शन के इलाहाबाद केंद्र से भी उनका साहित्यिक जुड़ाव रहा। हिंदी के वरिष्ठ गीतकार पं. दयाशंकर पांडेय का मंगलवार, २० अक्तूबर २०२६ को निधन हो गया। उनके निधन से साहित्य जगत में शोक की लहर है। वे लगभग ९० वर्ष के थे। एजी ऑफिस, उत्तर प्रदेश से वरिष्ठ लेखाधिकारी पद से सेवानिवृत्त होने के बाद वे प्रयागराज के अल्लापुर क्षेत्र में निवास कर रहे थे। ७ अगस्त १९३९ को इलाहाबाद के मेजा क्षेत्र स्थित शुक्लपुर में जन्मे पं. दयाशंकर पांडेय की साहित्यिक पहचान एक संवेदनशील गीतकार के रूप में थी। उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से बीए और एलएलबी की शिक्षा प्राप्त की। उनकी रचनाएं हिंदी की विभिन्न पत्र–पत्रिकाओं में प्रकाशित हुईं और अनेक कविता–संकलनों में संकलित की गईं। उनके प्रमुख काव्य–संग्रहों में सुधियों की परतें (२००१), परछाइयां (२००४) और प्रतीक्षा के पहर (२०१४) उल्लेखनीय हैं। उनके संग्रह परछाइयां का द्वितीय संस्करण भी २०१४ में प्रकाशित हुआ। आकाशवाणी और दूरदर्शन के इलाहाबाद केंद्र से भी उनका साहित्यिक जुड़ाव रहा। वे अपने सेवाकाल में ए.जी. ऑफिस ब्रदरहुड में अखिल भारतीय स्तर के सक्रिय पदाधिकाओं की प्रबलता के आधार पर आज वैचारिकी की ओर से आयोजित शोकसभा में साहित्यकारों एवं प्रबुद्धजनों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

आजादी के बाद पहली बार रावघाट पहुँची रेल, छत्तीसगढ़ के रेल विकास में ऐतिहासिक उपलब्धि

ताड़ोकी—रावघाट एवं अभनपुरदृकुरुद ब्रॉडगेज रेल लाइन का हुआ उद्घाटन रावघाटदृरायपुर एवं रायपुर—कुरुद नई यात्री रेल सेवाओं को हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना रायपुर में इलेक्ट्रिक रेल इंजन मेटेनेंस फैसिलिटी का शिलान्यास

बिलासपुर। भारतीय रेल द्वारा छत्तीसगढ़ में रेल कनेक्टिविटी के विस्तार एवं यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गई। माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं माननीय केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव की गरिमामयी उपस्थिति में ताड़ोकीदृरावघाट एवं अभनपुरदृकुरुद ब्रॉडगेज रेल लाइन का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर रावघाटदृ रायपुर एवं रायपुरदृकुरुद नई यात्री रेल सेवाओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। साथ ही, रायपुर में इलेक्ट्रिक रेल इंजन मेटेनेंस फैसिलिटी का शिलान्यास भी किया गया। माननीय केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम में शामिल हुए।

आजादी के बाद पहली बार रावघाट तक रेल पहुँचना दक्षिण छत्तीसगढ़ के दूरस्थ क्षेत्रों को रेल नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धि है। इन परियोजनाओं एवं नई यात्री रेल सेवाओं से क्षेत्रीय कनेक्टिविटी मजबूत होगी तथा नागरिकों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी।

इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपने संबोधन में इन महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं एवं नई यात्री रेल सेवाओं के शुभारंभ के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी के प्रति छत्तीसगढ़ की तीन करोड़ जनता की ओर से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी के कुशल नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में रेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्यों

गौशालाओं में अव्यवस्थाओं पर नाराज हुए गौ सेवा आयोग के सदस्य

पीलुआ सादिकपुर गौशाला में गंदगी मिलने पर जताई नाराजगी, व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश मथुरा। गौवंश संरक्षण और संवर्धन की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए गौ सेवा आयोग के सदस्य रमाकांत उपाध्याय ने पी लु आ सादिकपुर और बरारी स्थित गौशालाओं का निरीक्षण किया। पी लु आ सादिकपुर गौशाला में गंदगी मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को तत्काल साफ—सफाई सहित अन्य व्यवस्थाओं में सुधार करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गौवंश के लिए चारा, पानी, हरा चारा और चोकर की उपलब्धता की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि गौशालाओं में संरक्षित गोवंश की देखभाल में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। पशुओं को समय पर पर्याप्त पौष्टिक आहार और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाए तथा परिसर में नियमित साफ—सफाई सुनिश्चित की जाए। गौ सेवा आयोग के सदस्य ने पशु चिकित्सकों और गौशाला कर्मचारियों को बीमार एवं कमजोर गोवंश के उपचार और देखभाल पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गौशालाओं का संचालन केवल औपचारिकता तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि वहां संरक्षित प्रत्येक गोवंश को बेहतर सुविधाएं मिलनी चाहिए।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि गौशालाओं में चारा—पानी, स्वच्छता और पशुओं के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी की जाए। निरीक्षण के दौरान दिए गए निर्देशों का समयबद्ध पालन सुनिश्चित करते हुए व्यवस्थाओं में सुधार किया जाए, ताकि गोवंश को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण मिल सके।

स्वीकार किए गए ठेके के बकाये का भुगतान रोकना मनमाना: हाईकोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि राज्य प्राधिकरण की ओर से स्वीकार किए गए अनुबंध संबंधी बकाये का भुगतान रोकना मनमाना है। इसकी बकाया राशि की वसूली के लिए अनुच्छेद—226 के तहत रिट याचिका दाखिल की जा सकती है।

यह टिप्पणी न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति इंद्रजीत शुक्ला की खंडपीठ ने चंदौली नगर पंचायत के लिए निर्माण कार्य करने वाले एक ठेकेदार की याचिका पर की है। ठेकेदार ने दावा किया था कि बार—बार अनुरोध के बावजूद २८,४३,४४३ रुपये के बिलों का भुगतान नहीं किया गया। कोर्ट ने पाया कि नगर पंचायत के कार्यकारी अधिकारी ने व्यक्तिगत हलफनामे में पहले वर्क ऑर्डर के तहत ७,९२,५८० रुपये बकाया होने की बात स्वीकार की गई।

प्रयागराज/लखनऊ/कौशाम्बी/बांदा/प्रतापगढ़/मिर्जापुर/मथुरा/मुजफ्फरनगर

श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, श्री बृजमोहन अग्रवाल एवं श्रीमती रूपकुमारी चौधरी तथा विधायक श्री राजेश मृणत, श्री पुरन्दर मिश्रा एवं श्री मोती लाल साहू की उपस्थिति रही। वहीं, रावघाट स्टेशन पर माननीय सांसद श्री भोजराज नाग, विधायक श्री विक्रम उसंडेी एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

आजादी के बाद पहली बार रावघाट तक पहुँची रेल, औद्योगिक विकास को मिलेगी गति दल्लीराझरा एवं रावघाट



के मध्य ६1,६२८ करोड़ की लागत से ९५ किलोमीटर लंबी नई रेल लाइन का कार्य पूर्ण किया गया है। ताड़ोकी से रावघाट के बीच १७.५ किलोमीटर रेल लाइन का कार्य पूरा होने के साथ ही इस परियोजना का कार्य पूर्ण हुआ है। रावघाट तक रेल संपर्क स्थापित होने से दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को रेल परिवहन की सुविधा मिलेगी। इससे शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार एवं व्यापार से जुड़े अवसरों तक उनकी पहुँच आसान होगी।

इस रेल लाइन से क्षेत्र की औद्योगिक एवं आर्थिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। विशेष रूप से रावघाट

भयहरणनाथ में चल रहे विकास कार्यों का महासचिव ने किया निरीक्षण

नियमों व मानक का पूर्ण पालन करने का पढ़ाया पाठ

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरणनाथ धाम में नगर पंचायत कटरा गुलाब सिंह द्वारा कराये जा रहे विकास कार्यों का भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के महासचिव समाज शेखर ने स्थलीय भ्रमण कर हो रहे कार्यों का जायजा लिया और आवश्यक सुझाव व मार्गदर्शन किया। नगर पंचायत अध्यक्ष अशोक कुमार मुन्ना यादव ने सभी प्रस्तावित व हो रहे कार्यों से रुबरू कराते हुए यथास्थिति से अवगत कराया। वहीं ठेकेदार विवेक मिश्र व आलोक सिंह ने आश्वस्त किया कि गुणवत्ता के साथ कोई समझौता नहीं होगा। सभी कार्य मानक के अनुसार ही किया जायेगा। महासचिव समाज शेखर ने भोलेनाथ दर्शन पूजन

रेल संपर्क का विस्तार हुआ है। इससे यात्रियों को राजधानी रायपुर तक आवागमन के लिए बेहतर सुविधा मिलेगी तथा क्षेत्रीय विकास, व्यापार एवं दैनिक आवागमन को प्रोत्साहन मिलेगा।

‘रावघाटदृरायपुर एवं रायपुरदृ कुरुद नई यात्री रेल सेवाओं से यात्रियों में खुशी’

रावघाटदृरायपुर एवं रायपुरदृकुरुद नई यात्री रेल सेवाओं के प्रारंभ होने से संबंधित क्षेत्रों के यात्रियों को रायपुर तक

सीधी रेल यात्रा की सुविधा मिलेगी। इन नई रेल सेवाओं की शुरुआत से युवाओं, विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों एवं अन्य दैनिक यात्रियों में खुशी का माहौल है। राजधानी तक सुविधाजनक रेल संपर्क उपलब्ध होने से विद्यार्थियों को शिक्षा, युवाओं को रोजगार तथा आम नागरिकों को चिकित्सा, व्यापार एवं अन्य आवश्यक कार्यों के लिए आवागमन में सुविधा मिलेगी।

इन सेवाओं से किसानों, व्यापारियों तथा ग्रामीण क्षेत्रों के अन्य यात्रियों को भी लाभ होगा। राजधानी तक आवागमन सुगम होने से शिक्षा, चिकित्सा, व्यापार एवं पर्यटन के क्षेत्र में नए अवसर विकसित होंगे। साथ ही, किसानों को अपनी कृषि उपज बड़े बाजारों तक पहुँचाने के लिए परिवहन का बेहतर विकल्प मिलेगा। इन सेवाओं से दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों को राजधानी से जोड़ने तथा क्षेत्रीय सामाजिक—आर्थिक विकास को गति देने में मदद मिलेगी।

मैं लाकर समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने मेला क्षेत्र में प्रशासनिक कार्यों सहित सभी मुख्य रास्तों के सुव्यवस्थित करने का स्पष्ट सुझाव दिया। महासचिव समाज शेखर ने गौरा ग्राम से धाम तक आने वाले पीडब्ल्यूडी मार्ग की प्रगति की जानकारी ली। जिस पर कोषाध्यक्ष लाल जी सिंह ने बताया कि ठेकेदार कार्य की अनदेखी करते हुए समय बीत

जाने के बाद भी कार्य नहीं शुरू किया है। जिलाधिकारी महोदय के सावन मेला के दौरान आगमन के अवसर पर दिये गए निर्देश का भी पालन नहीं किया गया। जबकि यह सड़क उत्तर दिशा से धाम आने का एक मात्र मार्ग है। महासचिव ने कहा कि पीडब्ल्यूडी व विधायक जी से वार्ता कर रास्ते के निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया जायेगा।

इस अवसर पर भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के संरक्षक विवेक सिंह उपाध्यक्ष वित्त एवं लेखा राजीव नयन मिश्र, चौकी प्रभारी राजीव वर्मा, सूरज मिश्र, भुज बल सिंह, अखिल सिंह पिंढू, कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र व स्वच्छता नायक राज कुमार गौतम तथा अकबर अली आदि शामिल थे।

इलाहाबाद गुरूवार, २२ अक्टूबर २०२६

जागरण त्योहारों का (छप्पय)
शुभ की होगी सुबह शाम प्यारी होगी। कट जाएगी रात नहीं दुश्वारी होगी। बंधन में है प्रेम अर्थ समझा है जिसने। खुशियों का संसार बचाया है बस उसने। मोक्ष और वैराग्य के चक्कर से अति दूर हो। दिल में गोपी—भाव रख सबको कहेँ हुजूर हो।।
वसुधा की मुस्कान जागरण त्योहार का। बदल रहा है भाग्य आज से बाजारों का। निर्धन और अमीर सभी हैं जश्न मनाते। मिलजुल कर सब साथ बैठकर खाना खाते। दूजों के खातिर सदा करते हैं जो काम को। वहाँ पर्व बन साथ रह रहते अपने धाम को।।
डॉ. प्रदीप चित्रांशी लूकरगंज, प्रयागराज

विश्वनाथ में मंडप-मंडप में विजया दशमी पर सिंदूर खेला, महिला भक्तों में दिखा उल्लास

ब्रह्मपुत्र नद के विश्वनाथ घाट में ९२ दुर्गा प्रतिमा को नम आखों से भक्तों ने दी विदाई विश्वनाथ, असम। समग्र राज्य में विजया दशमी के अवसर पर उत्साह, उमंग और ढाक का ताल में श्रद्धालुओं का नृत्य , नगाड़ा के धुन गायन— वायन में हर्षोल्लास का वातावरण छाया रहा। इधर विश्वनाथ जिले के सभी पूजा पंडाल में आज विजया दशमी के अवसर पर में उल्लास का माहौल रहा। पुरोहित द्वारा वेद उच्चारण तथा विधि विधान से जलपात्र में दर्पण में मां दुर्गा का विसर्जन दिया गया। सभी श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा को आराधना करते हुए प्रणाम की। शारदीय दुर्गात्सव के अंतिम दिन विश्वनाथ चारिआलि शहर के बौ बाजार के शिवाजी संघ के श्री श्री दुर्गात्सव पूजा समिति दुर्गा पूजा समिति के पूजा मंडपों में विशेष रूप से विजया दशमी के पवित्र रीति—रिवाजों का पालन किया गया।इस पवित्र दिन पर महिला भक्तों ने माँ दुर्गा देवी की पूजा—अर्चना कर आपस में सिंदूर खेला कर माँ का आशीर्वाद लिया। लाल—सफेद साड़ी तथ मांगलिक वस्त्र पहने हुए महिलाओं के सिंदूर खेला के दृश्य में मंडपों को एक अनोखा रूप दिया।परिवार की सुख—शांति और पति की लंबी उम्र की कामना करते हुए महिलाओं ने इस पारंपरिक रीति का पालन किया। इधर दोपहर २ बजे से विश्वनाथ चारिआलि शहर के सभी पूजा समिति ने मां दुर्गा को गाड़ी में सवार कराकर शहर की परिक्रमा करते हुए नृत्य गायन करते हुए ब्रह्मपुत्र नद विश्वनाथ घाट में मां मां दुर्गा की ९२ मूर्ति विसर्जन किया गया। सभी भक्तों ने नम आंखों से विदाई दी। इधर शिवाजी संघ के सभी पदाधिकारी, सदस्य — सदस्या और सलाहकार ने नृत्य गायन के साथ विश्वनाथ घाट में पहुंचकर मां की अंतिम दर्शन की।

काव्य गोष्ठी का हुआ आयोजन राम जागें सदा रावण को सुलाए रविवर- राजेश राज

मिर्जापुर। शारदीय नवरात्रि व दशहरा के उपलक्ष्य में हिंदी श्री साहित्य संस्थान के सौजन्य से अनगढ़ रोड सुष्टि राज के आवास पर काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोरखपुर से पधारे प्रसिद्ध कवि व आशु संचालक राजेश राज और उनकी धर्मपत्नी नीलम श्रीवास्तव मुख्य अतिथि रहे। उनका स्वागत अंग वस्त्रम वह स्मृति चिन्ह देकर मिर्जापुर के कवियों व कवयित्रियों ने किया। कार्यक्रम का प्रारंभ सरस्वती वंदना से इला जायसवाल ने किया। मुख्य अतिथि राजेश राज ने अपने वक्तव्य में कहा कि हमें अपने अन्दर के राम को जगाकर रखना होगा और रावण को सुलाकर। उन्होंने सुनाया — दीप तुलसी की तरह एक जलाये रखिए। अपने भक्तों में उजाले को बसाए रखिए। राम रावण सदा



हर दिल में रहा करते हैं। राम जागें सदा रावण को सुलाए रखिए। काव्यपाठ के क्रम में आनंद अमित ने सुनाया — रोशन मेरा घर कर देना दीवाली में अबकी चंद। दीपक जला नहीं पाऊंगा कंगाली में अबकी चंद। अनिल यादव ने पढ़ा — आंखों को तसल्ली मिलती है बहुत यकीनन। चेहरे चेहरे यहां मुस्कान सजाए हुए हैं। नीलम श्रीवास्तव ने कहा इस प्रकार की कवि गोष्ठियां सुखद अनुभव देती हैं। नंदिनी वर्मा ने सुनाया — ऐ मनुज तू अपनी शक्ति को जरा पहचान ले। बाजुओं में बल है फिर तू क्यों भला एहसान ले। विजय श्रीवास्तव ने पढ़ा — हे आदि पुरुष ले मनुज रूप जग को मर्यादा बतलाया। पग पद पर सदाचार पावन चरित्र से सिखलाया। इला जायसवाल ने पढ़ा — जय जय हे मां वीणा पाणी। कार्यक्रम के अंत में कवयित्री सुष्टि राज ने सभी का धन्यवाद प्रकट किया। सावित्री कुमारी, यामिनी, मयंक आदि उपस्थित रहे।

अधिवक्ता पर कुल्हाड़ी से हमला

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी में चाचा को समझाने पहुंचे ३० वर्षीय अधिवक्ता दिव्यांशु मिश्रा उर्फ शुभम की हमले में मौत हो गई। आरोप है कि पारिवारिक विवाद के दौरान चाचा गुड्डन मिश्रा उर्फ अजय मिश्रा ने उन पर कुल्हाड़ी से वार कर दिया। गंभीर रूप से घायल दिव्यांशु ने मंगलवार को मड़ियांव क्षेत्र के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घटना में गुड्डन मिश्रा भी घायल हुए हैं।

सम्पादकीय.....

बच्चे और इंटरनेट

ऐसे दौर में जब आस्ट्रेलिया–फ्रांस व अन्य विकसित देशों में सोशल मीडिया तक बच्चों की पहुंच सीमित करने के कानून बने हैं, सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि बच्चों की इंटरनेट तक पहुंच उनका मौलिक अधिाकार है। इस पर प्रतिबंध लगाना अनुचित है। कोर्ट ने माना कि इंटरनेट तक पहुंच और इस्तेमाल करने का अधिकार, संविधान के अनुच्छेद २१ के साथ–साथ अनुच्छेद १९(१) (ए) के तहत निर्धारित ‘वाक्‍ और अभिव्यक्ति की आजादी ’ में ही निहित है। दरअसल, न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति केवी चंद्रन की पीठ इंटरनेट के जरिये बच्चों के शोषण और दुर्व्यवहार से जुड़ी सामग्री का पता लगाने और उसे हटाने के उपायों पर विमर्श कर रही थी। इसी बीच कई देशों द्वारा एक निर्धारित उम्र तक के बच्चों की सोशल मीडिया तक पहुंच सीमित करने का मामला सामने आया। भारत में भी इस तरह के प्रतिबंध लगाने की मांग की जा रही है। अदालत का मानना था कि हम बच्चों से जुड़ी ऐसी चिंताओं को स्वीकार करते हैं, लेकिन इंटरनेट पर प्रतिबंध इसका न्यायोचित विकल्प नहीं है। शीर्ष अदालत ने माना कि इस माध्यम से बच्चों को दूर रखकर हम उनकी सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकते। अदालत का तर्क था कि बच्चों की आजादी और सुरक्षा एक दूसरे के खिलाफ नहीं है, बल्कि उन्हें दोनों ही चीजें मिलनी चाहिए। अदालत का मानना था कि नई पीढ़ी के बच्चों के लिये इंटरनेट सीखने का माध्यम भी है। दूरदराज के इलाकों में जानकारी पाने का एकमात्र जरिया होता है। वहीं दूसरी ओर सुप्रीम कोर्ट ने इस बात का गंभीरता से संज्ञान लिया कि देश में नाबालिगों से जुड़ी अश्लील सामग्री रोकने में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म लापरवाही दिखा रहे हैं। अदालत का मानना था कि सभी हितधारक यह सुनिश्चित करें कि बच्चों को हानि पहुंचाने वाली कोई भी सामग्री प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से उपलब्ध न हो सके। यह सामग्री न अपलोड की जाए और न ही उसे प्रोत्साहन दिया जाए। कोर्ट ने इस बात को लेकर भी नाराजगी जतायी कि मध्यस्थों व सोशल मीडिया मंचों ने वर्ष २०२४ में जारी किए गए कोर्ट के निर्देशों का ईमानदारी से पालन नहीं किया। साथ ही पीठ का मानना था कि आज इंटरनेट शिक्षा, सूचना और सामाजिक भागीदारी का एक सशक्त माध्यम बना है। ऐसे में यदि प्रतिबंध लगाए जाते हैं तो वे निष्प्रभावी होंगे, बल्कि नुकसान पहुंचाने वाले भी हो सकते हैं। इसका नुकसान यह हो सकता है कि बच्चे ऐसी ऑनलाइन जगहों को सर्च करना शुरू कर सकते हैं, जो नियम–कानून कम होने की वजह से ज्यादा घातक हो सकती हैं। यह भी स्पष्ट किया गया कि उसकी टिप्पणी का यह अर्थ नहीं निकाला जाए कि उम्र के आधार पर कोई पाबंदी नहीं होनी चाहिए। पीठ के मुताबिककृहमारी धारणा है कि ऑनलाइन सुरक्षा के लिये कुछ सुरक्षा उपाय होने जरूरी हैं। अभिभावकों के पास उपलब्ध सामग्री की निगरानी की भी व्यवस्था होनी चाहिए। इसके अंतर्गत ऐसी व्यवस्था हो सकती है, जिसमें माता–पिता के मार्गदर्शन,सहमति और निगरानी में बच्चे सोशल मीडिया मंचों का उपयोग कर सकें।

गांव की रामलीला: तब और अब-संस्कृति का क्षरण और चिंतन

जॉ. भगवान प्रसाद उपाध्याय
राम हमारे रोम–रोम में हैं। गांव की रामलीला केवल एक नाटक नहीं, बल्कि हमारे सनातन संस्कारों की पाठशाला रही है। दशहरे के पहले जब गांव में रामलीला की मुनादी होती थी, तो पूरा गांव एक सूत्र में बंध जाता था। आज से पचास–साठ साल पहले की रामलीला को याद करते ही आंखों के सामने एक पवित्र चित्र उभरता है, और आज की रामलीला को देखकर मन में एक टीस उठती है। तब और अब में जमीन–आसमान का अंतर आ गया है।

‘तब की रामलीला – जब संस्कार ही मंच था’

पहले रामलीला कमेटी नहीं, गांव की पंचायत होती थी। चंदा नहीं, श्रद्धा से सब जुड़ते थे। पंडित जी, मास्टर साहब, ठाकुर साहब और सभी वर्गों से सब एक साथ बैठकर तय करते थे। मंच कैसा होगा? बांस–बल्ली का, लेकिन उस पर तुलसी के रामचरितमानस की चौपाइयों की गूंज होती थी।

कलाकारों का चयन जाति से नहीं, चरित्र से होता था। जो लड़का राम बनता था, उसे रामलीला के पंद्रह दिन पहले से ही सात्विक रहना पड़ता था। जमीन पर सोना, लहसुन–प्याज न खाना, ब्रह्मचर्य का पालन करना और रोज हनुमान जी के मंदिर में हाजिरी लगाना अनिवार्य था। राम बनने वाला लड़का सच में राम जैसा दिखने लगता था कृ चेहरे पर तेज, वाणी में

मर्यादा। सीता बनने वाला लड़का भी व्रत रखता था। उस समय लोग कहते थे – लड़का रामलीला में राम बना है, तो पूरा गांव उसे प्रणाम करता था।

बहुचर्चित राधेश्याम रामायण प्रत्येक रामलीला समिति में रहता था और पात्रों के हर संवादों में तुलसी, वाल्मीकि और केशवदास होते थे। हारमोनियम, ढोलक और मजीरे पर जब प्लामहि केवल प्रेम पियाराप गाया जाता था, तो बूढ़े–बुजुर्ग की आंखों में आंसू आ जाते थे। अश्लीलता का तो प्रश्न ही नहीं था। शूर्पणखा के प्रसंग में भी मर्यादा का ध्यान रखा जाता था। दर्शक जमीन पर बैठते थे, औरतें एक तरफ घूंघट में, बच्चे आगे। बीच–बीच में पंडित जी अर्थ बताते थे कृ कि भरत का त्याग क्या है, लक्ष्मण की निष्ठा क्या है। रामलीला खत्म होने के बाद आरती होती थी, प्रसाद बंटता था। वह मनोरंजन नहीं, यज्ञ था। रामलीला की आरती में सम्मिलित सभी लोग कुछ न कुछ सहयोग अवश्य करते थे।

उस रामलीला से क्या मिलता था? गांव के बच्चों को राम–लक्ष्मण–भरत का आदर्श मिलता था। बेटियों को सीता की सहनशीलता और कौशल्या की ममता का पाठ मिलता था। झगड़ा–फसाद कम होते थे, क्योंकि रामलीला के दिनों में कोई कड़वी बात नहीं बोलता था। वह सनातन संस्कृति को अक्षुण्ण बनाए रखने का सबसे

सशक्त माध्यम थी।

‘अब की रामलीला – जब मंच बाजार बन गया’

और आज? आज रामलीला का स्वरूप देखकर हृदय रोता है। वही मंच है, लेकिन अब वहां राम कम, रिमिक्स ज्यादा है।

पहला बदलाव तो अर्थ का है। अब रामलीला धर्म नहीं, धंधा बन गई है। कमेटियों में



सेवा–भाव नहीं, नेतागिरी आ गई है। चंदे के नाम पर वसूली, और मंच पर किसका फोटो लगेगा, माइक पर किसका नाम बोला जाएगा कृ इसी में सारी ऊर्जा खर्च हो जाती है। कलाकारों का चयन अब चरित्र से नहीं, चमक–दमक से होता है। जो सबसे ज्यादा फीस ले, या जो सबसे ज्यादा अश्लील डांस करा सके, वही हिट है।

दूसरा और सबसे भयावह बदलाव कृ फूहड़ता का प्रवेश। रामलीला के बीच में आइटम डांस, अश्लील भोजपुरी गाने, दोगुने अर्थ वाले संवाद। लक्ष्मण–परशुराम संवाद जो

हास्य–व्यंग्य और शास्त्रार्थ का अद्भुत संगम था, अब गाली–गलौज का अखाड़ा बन गया है। हनुमान जी जैसे ब्रह्मचारी देवता को भी जोकर बना दिया गया है। वह उछल–कूद करते हैं, बीड़ी मांगते हैं, दर्शकों से पैसे मांगते हैं। क्या यही हमारे हनुमान हैं?

सबसे दुखद कृ सीता माता और शूर्पणखा के प्रसंगों में जिस

प्रकार के अभद्र इशारे और द्विअर्थी गाने परोसे जा रहे हैं, उससे गांव में बैंठी हमारी माताएँ–बहनें सिर झुका लेती हैं। पहले जहां बच्चे रामलीला देखकर संस्कार सीखते थे, अब माता–पिता बच्चों को रामलीला में भेजने से डरते हैं।

साउंड सिस्टम इतना तेज है कि चौपाई सुनाई ही नहीं देती, केवल डीजे की धक–धक सुनाई देती है। प्रकाश व्यवस्था ऐसी कि आंखें चोंधिया जाएं, लेकिन मन में अंधेरा ही अंधेरा भर जाए।

आदर्श क्यों बिखर रहा है?

इसके तीन बड़े कारण हैं। पाश्चात्य अंधानुकरण और बाजारवाद की भागने के बजाय हमें अपनी संस्कृति और मूल परम्परा को बचाने का प्रयास करना चाहिए। ऐसा लगता है कि बिना अश्लीलता के भीड़ नहीं आएगी। आयोजक सोचते हैं कि धर्म से नहीं, तमाशे से पैसा आएगा।

समुचित प्रशिक्षण के अभाव में आज अच्छे कलाकार नहीं पनप रहे हैं।

पहले बुजुर्ग कलाकार नये कलाकारों को महीनों रिहर्सल कराते थे। अब वो दिन में रामलीला तैयार होती है। शास्त्र का ज्ञान किसी के पास नहीं। सामुदायिक भावना का ह्रास अब दिनों पहले पूरा गांव रामलीला का था, अब रामलीला कुछ लोगों की है। इसलिए उस पर गांव का अंकुश नहीं रहा।

बचाव का मार्ग क्या है? अब आवश्यक है कि चिंतन से समाधान की ओर जाना चाहिए। हमें कभी भी निराश होने की जरूरत नहीं है, भैया जी। रामलीला मरी नहीं है, वह मूर्छित है। उसे जगाया जा सकता है। इसके लिए कुछ ठोस कदम उठाने होंगे

आचार संहिता बने
हर गांव में रामलीला कमेटी को एक लिखित आचार संहिता बनानी चाहिए कृ कि मंच पर कोई भी फिल्मी गाना नहीं बजेगा, कोई भी अश्लील संवाद नहीं होगा, हनुमान जी का चरित्र विदूषक नहीं होगा। इसका पालन न करने वाले कलाकार को तुरंत मंच से हटाया जाए।

बुजुर्गों की वापसी
जिन बुजुर्गों ने पुरानी रामलीला देखी है, उन्हें फिर से निर्देशक बनाया जाए। वे ही बता सकते हैं कि राम की चाल कैसी हो, दशरथ का विलाप कैसा हो।

बच्चों की रामलीला

कोलकाता में सामुदायिक दुर्गा पूजा और राजनीति

तीर्थंकर मित्रा

एक समय था जब बंगाल का सबसे बड़ा त्योहार, दुर्गा पूजा, जमींदारों और बड़े व्यापारियों के पुश्तैनी घरों में मनाई जाती थी। इन लोगों ने ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की सेवा करके काफी धन कमाया था और वे पूजा के इस मौके का इस्तेमाल अपने विदेशी आकाओं को खुश करने के लिए करते थे। बाद के वर्षों में, कई प्रमुख राजनीतिक नेताओं ने खुद को सामुदायिक दुर्गा पूजा आयोजनों से जोड़ लिया, जहां पारिवारिक आयोजनों की तुलना में कहीं जयादा लोग आते थे। कोलकाता के उत्तरी और मध्य हिस्सों में रहने वाले अमीर और मशहूर लोग, दिखावे और भव्यता के मामले में एक–दूसरे से आगे निकलने की होड़ में लगे रहते थे। अंग्रेजों को, खासकर ऊंचे पदों पर बैठे अंग्रेज अधिकारियों को आमंत्रित करना, अपने प्रतिद्वंद्वी रईसों से आगे निकलने का एक तरीका माना जाता था। इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है कि जमींदारनबाकृष्ण देव ने

एक तरह का सामाजिक दांव खेला और रॉबर्ट क्लाइव तथा वॉरेन हेस्टिंग्स को अपने शोबाबाजार स्थित महल में दुर्गा पूजा के दौरान बुला लिया। उन्होंने प्लासी की लड़ाई में पदों के पीछे रहकर काम किया था। शासकों के प्रति अपनी वफादारी दिखाने की यह परंपरा, जिसमें दुर्गा पूजा एक बेहतरीन मौका होती थी, एक सदी बीत जाने के बाद भी इस परिवार में जारी रही। १८५७ के स्वतंत्रता के पहले संग्राम में जब अंग्रेजों ने भारतीय सैनिकों के विद्रोह को कुचल दिया, तो उस जीत का जश्न भी इसी महल में मनाया गया था। जैसे–जैसे समय बीतता था और स्वतंत्रता संग्राम ने जोर पकड़ा, रईसों की जगह राजनीतिक नेताओं ने ले ली। सुभाषचंद्र बोस, जो उस समय तक नेताजी नहीं बने थे, सिमला व्यायाम समिति की सामुदायिक दुर्गा पूजा से जुड़े हुए थे। लेकिन उस समय, इस पूजा और ऐसी ही अन्य आयोजनों के केंद्र में देशभक्ति की भावना सबसे प्रमुख थी।

भारत के इस महान सपूत के साथ जुड़े रहने की परंपरा तब भी जारी रही, जब वे देश को विदेशी बेड़ियों से आजाद कराने के मिशन पर निकल पड़े। बोस ने कांग्रेस से अलग होकर फॉर्बर्ड ब्लॉक की स्थापना की थी। कालीघाट फायर स्टेशन के पास, फॉरवर्ड क्लब के तत्वावधान में आज भी एक बड़ी सामुदायिक पूजा आयोजित की जाती है। १९७२ से १९७७ के बीच कांग्रेस के शासनकाल में, जब हिंसा और सरकारी दमन का दौर चल रहा था, बालीगंज (गरियाहाट जंक्शन के पास) में एकदालिया एवरग्रीन पूजा की शुरुआत हुई। इसे उस समय के सबसे युवा कैबिनेट मंत्री सुब्रत मुखर्जी का संरक्षण प्राप्त था। वाम मोर्चा के दशकों लंबे शासन और बाद में तृणमूल कांग्रेस के दौर में भी, सुब्रत मुखर्जी अपने निधन तक इस पूजा के मुख्य सूत्रधार बने रहे। कलकता विश्वविद्यालय के पास कॉलेज स्क्वायर में होने वाली सामुदायिक पूजा से सोमेन मित्रा का कोई सीधा संबंध नहीं था।

लेकिन, तृणमूल नेताओं द्वारा किनारे किए जाने से पहले तक, कई वर्षों तक इस पूजा में उन्हीं की बात सर्वोपरि होती थी। देवी की पूजा–अर्चना, वाम मोर्चा के सबसे बड़े घाटक दल सीपीआई(एम) की विचारधारा से मेल नहीं खाती थी। लेकिन, इसके बावजूद पार्टी के खेल और युवा मामलों के मंत्री सुभाष चक्रवर्ती श्रीभूमि स्पोर्टिंग क्लब की पूजा से जुड़े रहे। शहर की सबसे बड़ी सामुदायिक पूजा आयोजनों में से एक, जो भारी भीड़ जुटाने के लिए जानी जाती है, उसे सुभाष चक्रवर्ती के करीबी सुजीत बोस द्वारा आयोजित किया जाता था। भले ही नास्तिक कम्युनिस्ट साधियों ने पूजा–पाठ में हिस्सा नहीं लिया, लेकिन पंडालों के पास स्टॉल लगाने में उन्हें कोई हिचकिचाहट नहीं हुई। इन स्टॉलों पर पार्टी का साहित्य और मुंशी प्रेमचंद तथा लेनिन की कुछ किताबें बेची जाती थीं। हाल ही में समाप्त हुए तृणमूल शासनकाल में, मंत्रियों का सामुदायिक पूजा आयोजनों से जुड़ाव काफी बढ़

गया था। सुजीत बोस, जो तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए थे, अपनी पुरानी पूजा के आयोजक बने रहे और उनके साथ कई अन्य मंत्री भी इस तरह की गतिविधियों से जुड़े थे। न्यू अलीपुर का सुरुचि संघ मंत्री अरुण बिस्वास की पहचान बन गया, जबकि शहर के मेयर और मंत्री फिरहाद हकीम की ऐसी ही स्थिति चेतला अग्रानी में थी। दिलचस्प बात यह है कि तत्कालीन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चेतला अग्रानी में देवी की आंखों में रंग भरने (चक्षुदान) की रस्म में हिस्सा लिया, जिससे इस पूजा को विशेष अहमियत मिल गई। तृणमूल शासन के खत्म होने के बाद भी पूजा और राजनीति का यह जुड़ाव खत्म नहीं हुआ। ऐसा होना स्वाभाविक भी था, क्योंकि भाजपा ने हिंदुत्व को अपने चुनावी एजेंडे का हिस्सा बना लिया था। हाजरा क्रॉसिंग पर लगे एक पोस्टर में साफतौर पर दिखाया गया है कि रूपचंद मुखर्जी लेन में होने वाली सामुदायिक पूजा के मुख्य संरक्षक शुभेंदु अधि

ाकारी हैं। यह पूजा मुख्यमंत्री के निर्वाचन क्षेत्र भवानीपुर के अंतर्गत आती है। सुजीत बोस भले ही जेल में हैं, लेकिन श्रीभूमि स्पोर्टिंग की पूजा जारी है। महालया से एक दिन पहले मुख्यमंत्री अधिकारी ने इसका उद्घाटन किया था। अब श्रीभूमि पूजा की कमान डॉ. शरदवत मुखर्जी के हाथों में है, जिन्होंने चुनावों में बोस को हराया था। यह पूजा राजनीतिक प्रभाव और संरक्षण दिखाने का एक बड़ा जरिया है। यही वजह है कि भाजपा विधायक सोरव हलदर सुरुचि संघ पूजा का नेतृत्व कर रहे हैं। उत्तरी कोलकाता की हाथी बागान सार्वजनीन पूजा में, तृणमूल कांग्रेस के पूर्व डिप्टी मेयर अतीन घोष की जगह राज्य के उद्योग मंत्री तापस रॉय ने ले ली है। इस साल मई में राज्य सरकार बदल गई है। इसके साथ ही शहर की कुछ बड़ी सामुदायिक पूजा आयोजनों के संरक्षक भी बदल गए हैं, क्योंकि यह त्योहार लोगों से जुड़ने का एक बेहतरीन मौका देता है।

वोट चोरी तो सब चोरी, जनता समझ गई

शकील अख्तर

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ लोगों में गुस्सा बढ़ता जा रहा है। करीब एक साल पहले जब नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बिहार में एसआईआर का मुद्दा उठाया था तब लोग मोदी सरकार के इस वोट चोरी के खेल को नहीं समझे थे। राहुल ने जनजागरण किया। कई दिनों तक बिहार में यात्रा निकाली और उसके बाद से चुनाव आयोग द्वारा मोदी को सूट नहीं करने वाले वोटों को काटना और नकली वोटों को जोड़ने के खिलाफ प्रेस कान्फ्रेंस करके कई सबूत दिए। जनता में और सभी जगह मैसेज जाना शुरू हो गया कि कुछ गड़बड़ है। राहुल का यह कहना बहुत मायने रखता है कि एंटी इन्कम्बेन्सी हर सरकार के खिलाफ काम करती है। इन्दिरा गांधी के खिलाफ भी किया, वाजपेयी के खिलाफ भी। मगर यह बीस साल तक पच्चीस साल तक रहने की बात करते हैं जबकि देश में हर जगह दिखता है कि जनता कितनी परेशान है तो यह सरकार से नाराजगी (एंटी इन्कम्बेन्सी) इन पर असर क्यों नहीं करती? राहुल ने खुद ही अपने सवाल का जवाब दिया कि वोट चोरी से। १३ करोड़ से ज्यादा वोट देश भर में काट दिए गए हैं। बंगाल में ऐसी बहुत सी सीटें हैं जहां जितने वोट काट गए उससे कम वोटों से बीजेपी का प्रत्याशी वहां जीता है। मिसाल के तौर पर सौ वोट काटे गए तो पचास वोट से। मतलब अगर वे सौ वोट जो वास्तविक थे। वे रहते तो जीतने की संभावना नहीं थी। यह बात खुद सुप्रीम कोर्ट ने कही। और यहां तक कि क्या दोबारा चुनाव करवाए जा सकते हैं? यह तथ्य आने के बाद माहौल में बदलाव शुरू हुआ। और फिर इंडियन एक्सप्रेस की खबर के बाद कि कैसे मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश

कुमार ने सारे बड़े फ़ैसले बाकी दो चुनाव आयुक्तों की मर्जी के खिलाफ किए। मीडिया आज भी सबसे बड़ी ताकत है। इसलिए प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे ज्यादा उसको अपने कब्जे में रखा है। मगर मीडिया को भी अपनी कुछ तो विश्वसनीयता चाहिए। अगर वह पूरी तरह भौंपू बन गई तो वह ही खत्म हो जाएगी। यह सरवाइवल (कुछ जान बची रहने का) का सवाल है। दूसरा गुलामी में रहने का। ८० साल से गुलामी में रहने की आदत छूट गई। कांग्रेस के नेतृत्व में जो आजादी पाई थी उसका सबसे बड़ा पहलू यह था कि सबको समान अधिकार। किसी का किसी पर कोई वर्चस्व नहीं। एक व्यक्ति एक वोट। इसी मूल भावना पर चोट पड़ी। मीडिया हो या न्यायपालिका या राष्ट्रपति सब के मन में जब भी आजादी की भावना जाग जाती है वे उस के अनुरूप कुछ कर देते हैं। इसीलिए कहते हैं कि विचार सबसे बड़ी चीज है। उसे जिन्दा रखो। संविधान को कोई खत्म होने देना नहीं चाहता। इसलिए राहुल संविधान हमेशा दिखाते रहते हैं। देश को आगाह करते रहते हैं कि ये संविधान खत्म करने वाले लोग हैं। तो खुद के अस्तित्व को बचाने के लिए और गुलामी के बीच अपनी मर्जी से एक सांस लेने के लिए एक अखबार ने हिम्मत दिखा दी और बस यहीं से पासा पलट गया। पेपर लीक की वजह से छात्रों और युवाओं में गुस्सा पहले से था। उनकी शिक्षा, उच्च, प्रोफेशनल शिक्षा के अवसर छीने जा रहे थे। और फिर उनका वोट छीने जाने का जो उन्हें पता चल गया। फर्स्ट टाइम वोटर्स को सबसे ज्यादा काटा जा रहा था। युवा छात्रों के आक्रोश का पता चलने के बाद उनके वोटों पर तलवार चला दी गई। कहां चुनाव आयोग के आदमी घर–घर आकर पूछते थे कि कोई १८ साल का होने वाला

तो नहीं? और खुद उसका नाम वोटर लिस्ट में जुड़वा देते थे। अब उल्टा हो रहा है। पहली बार वोटर बनने के फार्म को बदल दिया। फार्म ६ जो नए वोटर के लिए है। बहुत आसान होता था। होना भी चाहिए। मगर उसे जटिल करके इसमें उसके परिवार का माता–पिता, दादा–दादी का २००० या उसके आसपास की वोटर लिस्ट में नाम और सारी डिटेल मांगी जा रही थी। लड़का–लड़की १८ साल का है और उससे रिकार्ड मांगा जा रहा है उसके जन्म से ८ साल पहले का! चुनाव आयोग की धांधलियां एकदम से सतह पर आ गईं और सबसे बड़ी बात उसकी विश्वसनीयता ही खत्म हो गई। इसी के खिलाफ इंडिया गठबंधन ने आवाज उठाई। जो विपक्ष का काम है। एसआईआर की पूरी वापसी। ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा। ३० सितम्बर को हुई इस बैठक के बाद ही आंदोलन का बिगुल बज गया। ६ अक्टूबर का कॉल बहुत बड़ा साबित हुआ। विपक्ष ने एलान किया था कि इस दिन चुनाव आयोग जाकर चुनाव आयुक्तों को वोट चोरी के खिलाफ ज्ञापन देंगे। मगर मोदी सरकार जैसे १२ साल में विपक्ष द्वारा उठाई गई किसी मांग को नहीं सुनती यह भी नहीं सुनी। लेकिन इस बार उनका यह आत्मविश्वास महंगा पड़ गया। विपक्ष तो राहुल गांधी के नेतृत्व में संसद से चुनाव आयोग के लिए निकला। मगर सरकार ने उसे चुनाव आयोग पहुंचने से पहले ही रोक दिया। राहुल को हिरासत में ले लिया। राहुल का सिम्पल कहना था कि एक हफ्ते पहले हमने चुनाव आयोग जाने की बात कही थी। शांतिपूर्ण। और वह जो भी रहे थे। फिर गिरफ्तारी क्यों? वे बस से उत्तरकर सामने आकाशवाणी भवन में घुस गए। वहीं से जो यह आन्दोलन आज तक चल रहा है नए मोड़ पर आ गया।

ज्ञानेश कुमार के साथ मोदी और अमित शाह को भी जाना होगा– के नारे लगने लगे। और जैसे–जैसे आन्दोलन तेज होता गया दमन भी होता गया। सिर्फ पुलिस का ही नहीं प्राइवेट गुंडे बुलाकर उनसे भी लड़कियों के कपड़े खिंचवाए गए। गालियां, मारपीत तो अलग। देश के इतिहास में कभी सरकार और पुलिस ने इस तरह गुंडे बुलाकर युवा लड़के–लड़कियों को नहीं पिटवाया गया। अंग्रेजों ने भी कभी आन्दोलन कुचलने के लिए गुंडे नहीं बुलाए। गुंडे बुलाना सरकार की कमजोरी की निशानी होता है। मोदी सरकार कमजोर हो रही है। पिछली बार शिक्षा मंत्री धर्मन्र प्रधान को बचाने के लिए दिल्ली में पलेटगन, बिहार में एके–४७ चलाई थी। इस बार लड़कियों पर यौन हमला किया गया। राहुल ने इन लड़कियों से मुलाकात की। जो लड़कियों ने सुनाया है कि पुलिस थाने के अंदर सीनियर पुलिस अधिकारियों से लेकर नीचे सिपाही और महिला सिपाही द्वारा उनके साथ कैसा बर्बरतापूर्ण व्यवहार किया गया। बाहर गुंडों द्वारा अंदर पुलिस द्वारा। महिला सुरक्षा के नाम पर मोदी सरकार आई थी–बहुत हुआ नारी पर वार अबकि बार मोदी सरकार। और अब खूब करो नारी पर वार, देंगे इसका हम पुरस्कार! लेकिन सरकार चाहे जितना जुल्म ढहा ले अब छात्र युवा, विपक्ष आम जनता पीछे हटने वाले नहीं हैं। अब सब जान गए हैं कि उनके वोट को निरर्थक बना दिया गया है। राहुल का कहना वोट चोरी एक सत्य है। मोदी हमारे वोट से नहीं हमारा वोट चुरा कर जीत रहे हैं। दिल्ली में एक नवंबर रविवार को इंडिया गठबंधन की बड़ी जनसभा हो रही है। मालूम पड़ जाएगा कि जनता वोट चोरी को कितनी गंभीरता से ले रही है। विपक्ष ने अपना काम कर दिया। जनता जिसका वोट ही चला जाएगा तो फिर कुछ नहीं बचेगा।



बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ को दी गई धमकी वाली ऑडियो विलप की जांच की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार, जांचकर्ता इस ऑडियो विलप में मौजूद आवाज का मिलान पंजाब और दिल्ली पुलिस के पास मौजूद वॉयस बैंक से करने की योजना बना रहे हैं। इन डेटाबेस में लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े संदिग्ध सदस्यों की आवाज की रिकॉर्डिंग मौजूद है। पंजाब, दिल्ली और राजस्थान पुलिस के पास अलग-अलग श्वॉयस बैंकश हैं, जिनमें बिश्नोई गैंग के सदस्यों की आवाज के नमूने (ऑडियो सैंपल) रखे गए हैं। इससे पहले सलमान खान, आमिर

अमेरिका में रहकर प्रियंका चोपड़ा ने मनाया दशहरा, देसी दामाद बने निक जोनस

ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा जोनस और उनके पति, गायक निक जोनस ने घर पर पारंपरिक पूजा के साथ दशहरा मनाया। उन्होंने अपनी बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनस के साथ मनाए गए पारिवारिक जश्न की झलक साझा की। इस जोड़े ने कन्या पूजन किया, जो एक हिंदू परंपरा है जिसमें छोटी बच्चियों को देवी दुर्गा का रूप मानकर उनकी पूजा की जाती है। छोटी मालती ने आइवरी (सफेद-क्रीम) रंग के पारंपरिक कपड़े पहने थे और साथ ही एक लाल दुपट्टा ओढ़ा था, जिस पर जय माता दी लिखा हुआ था। नवरात्रि के दौरान कन्या पूजन के हिस्से के रूप में, प्रियंका और निक को अपनी बेटी के पैर धोते हुए भी देखा गया। प्रियंका ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इस जश्न की कई तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों में परिवार के कुछ खास पल कैद हैं, जिनमें प्रियंका और निक अपनी बेटी के साथ इन पारंपरिक रीतियों को निभाते हुए नजर आ रहे हैं। एक तस्वीर में, पूजा के दौरान निक, मालती के बगल में बैठे हैं और प्रियंका भी



टाइगर श्रॉफ फायरिंग केस में हुआ बड़ा खुलासा, शूटर्स ने की थी अमिताभ बच्चन- अक्षय कुमार समेत कई स्टार्स के घरों की रेकी

मुंबई क्राइम ब्रांच के सूत्रों के मुताबिक, अभिनेता टाइगर श्रॉफ से जुड़े फायरिंग मामले के आरोपियों ने हमले से पहले कथित तौर पर अमिताभ बच्चन और सलमान खान सहित कई बॉलीवुड हस्तियों के घरों की टोह ली थी। कथित तौर पर निशानेबाजों को उन मशहूर हस्तियों को निशाना बनाने का निर्देश दिया गया था जिनकी सुरक्षा व्यवस्था अपेक्षाकृत कम कड़ी थी। टोह के दौरान अलग-अलग ऑटो-रिक्शा चालक आरोपियों को अमिताभ बच्चन, आमिर खान, अक्षय कुमार और सलमान खान समेत कई मशहूर हस्तियों के आवास पर भी ले गए थे। यह पता चला है कि आरोपी ऑटो-रिक्शा चालकों से, जिनकी सेवाएं वे मुंबई में लेते थे, उन्हें बॉलीवुड सितारों के घर दिखाने के लिए कहते थे। आरोपियों ने कथित तौर पर ड्राइवरों से कहा कि वे मशहूर हस्तियों के आवासों की तस्वीरें लेना चाहते हैं। इसके बाद, अलग-अलग ऑटो-रिक्शा चालक उन्हें कई अभिनेताओं के घरों तक ले गए। इस अवधि के

खान, रोहित शेट्टी, बाबा सिद्दीकी और अन्य हस्तियों को मिली धमकियों से जुड़ी ऑडियो क्लिप्स की भी इसी तरह जांच की गई थी। इस बार, जांचकर्ता अनिल पंडित की उस ऑडियो क्लिप की जांच करेंगे, जो टाइगर श्रॉफ को मिली धमकी के बाद सामने आई थी। मुंबई पुलिस के वरिष्ठ सूत्रों के अनुसार, किसी ऑडियो क्लिप के पीछे मौजूद व्यक्ति की पहचान करना एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि धमकियां अक्सर अलग-अलग नामों और अलग-अलग आवाजों में दी जाती हैं। बताया जा रहा है कि दिल्ली पुलिस के पास एक वॉयस बैंक है, जिसमें बिश्नोई गैंग से जुड़े 200 से



उनके साथ शामिल हैं। एक अन्य तस्वीर में, यह जोड़ा अपनी बेटी के साथ घर के मंदिर के सामने खड़ा है, जिसे फूलों और देवी-देवताओं की मूर्तियों से सजाया गया है। इन तस्वीरों में मालती ने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लियाय वह अपने पारंपरिक कपड़ों, छोटी-छोटी चूड़ियों और लाल दुपट्टे में बहुत प्यारी लग रही थीं। तस्वीरें साझा करते हुए प्रियंका ने लिखा, मां दुर्गा की शक्ति, हमारी प्रार्थनाओं की पवित्रता और दशहरे की भावना हमेशा हमारे साथ रहे — आज, कल और हमेशा। प्रियंका ने हमेशा मालती को भारतीय परंपराओं और आध्यात्मिकता से परिचित कराने की कोशिश की है। इस साल अगस्त में, अभिनेत्री ने एक वीडियो साझा किया था, जिसमें वह अपनी बेटी को दुर्गा सप्तशती का एक श्लोक सिखाती नजर आ रही थीं। वीडियो में

टाइगर श्रॉफ को मिली धमकी: ऑडियो विलप की जांच के लिए बिश्नोई गैंग के वॉयस बैंक से होगा आवाज का मिलान

ज्यादा लोगों की आवाज के नमूने मौजूद हैं। पंजाब और राजस्थान पुलिस के पास भी इसी तरह के डेटाबेस हैं। मुंबई पुलिस इस गैंग के काम करने के तरीकों और गतिविधियों पर भी लगातार नजर रख रही है, क्योंकि पिछले दो-तीन सालों में महाराष्ट्र, और खघसकर मुंबई में बिश्नोई गैंग का प्रभाव काफी बढ़ गया है। इस बीच, क्राइम ब्रांच का एंटी-एक्सटॉर्शन सेल (वसूली-रोधी सेल) टाइगर श्रॉफ फायरिंग मामले में गिरफ्तार आरोपी को दोपहर 3 बजे एस्प्लेनेड कोर्ट में पेश करेगा। सूत्रों के मुताबिक, फायरिंग की घटना में शामिल आरोपी लगभग एक महीने पहले मुंबई आया था और उसने कई मशहूर बॉलीवुड हस्तियों के घरों की रेकी (निगरानी) की थी। आरोपी मुंबई में घूमने के लिए जिन ऑटो-रिक्शा का इस्तेमाल करते थे, उनके ड्राइवरों से वे बॉलीवुड सितारों के घरों तक ले जाने के लिए कहते थे। उन्होंने कथित तौर पर दावा किया था कि वे इन हस्तियों के घरों की तस्वीरें लेना चाहते हैं। इसके अलावा, हमले के बाद मुंबई से भागते समय आरोपियों ने दोनों हथियारों को किसी अज्ञात जगह पर फेंक दिया था। अब मुंबई पुलिस उन हथियारों को खोजने और बरामद करने की कोशिश कर रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, हमलावरों ने घटना के दौरान दो पिस्तौल का इस्तेमाल किया—एक विदेशी और दूसरी देश में बनी। हालांकि, इस बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाई है कि दोनों में से कौन-सी पिस्तौल विदेशी थी। जांचकर्ता गोलीबारी की इस घटना की जांच के तहत, फेंके गए हथियारों को खोजने की कोशिश कर रहे हैं। मुंबई क्राइम ब्रांच इस मामले की जांच कर रही है, ताकि आरोपियों की भूमिका और पूरी साजिश का पता लगाया जा सके।

मालती अपनी मां के पीछे-पीछे उस संस्कृत प्रार्थना को दोहराने की कोशिश करती दिखीं। बता दें कि प्रियंका और निक जनवरी 2022 में सरोगेसी के जरिए मालती के माता-पिता बने थे। उनके माता-पिता बनने का सफर काफी चुनौतीपूर्ण रहा, क्योंकि मालती का जन्म समय से पहले हो गया था और उन्हें लगभग 110 दिन तक नियोनेटल इंटेंसिव केयर यूनिट में रहना पड़ा था। एक पुराने इंटरव्यू में, प्रियंका ने उस भावनात्मक रूप से कठिन अनुभव के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि कैसे वह और निक बारी-बारी से अस्पताल में अपनी बेटी के साथ रहते थे। अभिनेत्री ने यह भी बताया था कि निक गिटार बजाकर मालती को गाने सुनाते थे, जबकि वह अपनी बेटी के पालने के पास धीरे-धीरे मंत्र बजाती थींकृजिनमें महामृत्युंजय मंत्र, गायत्री मंत्र और ओम: नमः शिवाय शामिल थे।

टाइगर श्रॉफ पर हमले से पहले आरोपियों ने अमिताभ बच्चन और सलमान खान सहित कई बश्वलीवुड हस्तियों के घरों की थी रेकी

पिस्तौल का इस्तेमाल किया था. कथित तौर पर आरोपियों को इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी कि उन्होंने किस प्रकार की विदेशी निर्मित पिस्तौल का इस्तेमाल किया था। 20 अक्टूबर को आरोपियों से शुरुआती पूछताछ में कुछ महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई कि श्वागीथ अभिनेता प्राथमिक लक्ष्य नहीं थे। मुंबई पुलिस को अब उस स्थान का पता लगाने का काम सौंपा गया है जहां आग्नेयास्त्र फेंके गए थे। यह 18 अक्टूबर की बात है जब मुंबई के जुहू इलाके में मोटरसाइकिल सवार तीन लोगों द्वारा उनकी कार पर गोलियां चलाने के बाद टाइगर भाग निकले थे। घटना के कुछ ही घंटों के भीतर लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने हमले की जिम्मेदारी लेते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया. कथित तौर पर आरोपी को टाइगर के प्रशंसकों द्वारा साझा की गई सोशल मीडिया रील्स के माध्यम से पता चला कि उस समय उनके पास पुलिस सुरक्षा नहीं थी और इसे ध्यान में रखते हुए, उन्होंने उसे निशाना बनाने का फैसला किया। शुरुआती पूछताछ में यह बात भी सामने आई कि टाइगर पर हमले का मकसद इंडस्ट्री में डर फैलाना था.अमाल मलिक, मीका सिंह, विद्युत जामवाल, शत्रुघ्न सिन्हा और रवि किशन सहित फिल्म उद्योग के कई सदस्यों ने इस घटना के बाद अपनी चिंता जताई है।



बॉक्स ऑफिस पर रामायण का महाधमाका! एडवांस बुकिंग के पहले ही दिन रणबीर कपूर की फिल्म ने तोड़े रिकॉर्ड, 4 करोड़ का आंकड़ा पार

रणबीर कपूर की रामायण को भारत में बहुत अच्छा रिसपॉन्स मिल रहा है। फिल्म की पहले दिन की एडवांस बुकिंग का कलेक्शन 4 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। मेकर्स ने दशहरा के मौके पर, 20 अक्टूबर 2026 को आधिकारिक तौर पर एडवांस बुकिंग शुरू कर दी थी। ट्रेड ट्रैकर शसैकनिल्कश (बदपसा) के अनुसार, इस पौराणिक फिल्म ने 5 नवंबर को होने वाली अपनी ओपनिंग के लिए एडवांस बुकिंग से 4.96 करोड़ रुपये की कमाई की है। अगर ब्लॉक की गई सीटों को हटा दें, तो यह कलेक्शन 3.13 करोड़ रुपये है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी इस फिल्म की बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट के बारे में आगे विस्तार से जानें।

भारत में श्रामायणश की पहले दिन की एडवांस बुकिंग सैकनिल्क के मुताबिक, श्रामायण पार्ट 1श के लिए 5 नवंबर को होने वाली ओपनिंग के लिए 3,537 शोज़ में कुल 86,187 टिकट बिके हैं। फिल्म ने कुल 4.96 करोड़ रुपये की कमाई की है, जिसमें से ब्लॉक की गई सीटों को हटाने पर यह आंकड़ा 3.13 करोड़ रुपये बनता है। फिलहाल फिल्म की ऑक्यूपेंसी 11: है। नेशनल कैपिटल रीजन (NCR) सबसे बड़ा मार्केट बनकर उभरा है, जिसने कुल एडवांस बुकिंग कलेक्शन में 1.45 करोड़ रुपये का योगदान दिया है। दो भागों में बनी इस पौराणिक फिल्म का पहला हिस्सा 5 नवंबर 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाला है। रामायण में कई बड़े सितारे नज़र आएंगे। इनमें भगवान राम के रोल में रणबीर कपूर, सीता के रोल में साई पल्लवी, लक्ष्मण के रोल में रवि दुवे, राजा दशरथ के रोल में अरुण गोविल, कैकेयी के रोल में लारा दत्ता, इंद्र के रोल में कुणाल कपूर, भगवान हनुमान के रोल में सनी देओल और शूर्पणखा के रोल में रकुल प्रीत सिंह शामिल हैं।

रामायण का दूसरा गाना रावण तांडव रिलीज़ हो गया है बहुप्रतीक्षित फिल्म रामायण के मेकर्स ने दशहरा के मौके पर, मंगलवार 20 अक्टूबर को फिल्म का दूसरा गाना श्रावण तांडवश रिलीज़ कर दिया है। इस नए गाने को ए.आर. रहमान ने कंपोज़ किया है और इसे अरिजीत सिंह और श्रेया घोषाल ने गाया है। इसके अलावा, श्रावण तांडवश में विशाल ददलानी ने भी अपनी आवाज़ दी है।

नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित, रामायण: राइज़ ऑफ़ अ लेजेंड को नमित मल्होत्रा के प्राइम फोकस स्टूडियोज़ ने DNEG और यश के प्रोडक्शन बैनर मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है। इस महाकाव्य को दो भागों वाली फिल्म सीरीज़ के रूप में बनाया जा रहा है। भारत के बाहर इसके वैश्विक वितरण की जिम्मेदारी सोनी पिक्चर्स की है, जबकि हिंदी भाषी बाज़ार में इसकी रिलीज़ को धर्मा प्रोडक्शंस संभाल रहा है। यह फिल्म हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज़ होगी। इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय दर्शकों के लिए इसका अंग्रेज़ी डब वर्ज़न भी पेश किया जाएगा।



गौरव खन्ना की टीवी पर वापसी, श्रद्धा आर्या के साथ शुरु किया नया प्रोजेक्ट

गौरव खन्ना टीवी पर नए किरदार के साथ वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस बार उनके साथ टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस श्रद्धा आर्या भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। हाल ही में गौरव खन्ना और श्रद्धा आर्या ने साथ में मुहूर्त पूजा की। इससे जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

साथ में पूजा करते नजर आए गौरव-श्रद्धा वीडियो में गौरव खन्ना और श्रद्धा आर्या साथ में पूजा करते नजर आ रहे हैं। इस दौरान गौरव व्हाइट कुर्ता-पजामा में दिखाई दिए, जबकि श्रद्धा भी व्हाइट आउटफिट में नजर आईं। दोनों साथ में पूजा करते हुए काफी खुश नजर आए। उन्हें साथ देखकर फैंस भी काफी एक्साइटेट दिखे। वीडियो में गौरव और श्रद्धा की केमिस्ट्री देखकर फैंस उनकी खूब तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, ये साथ में काफी अच्छे लग रहे हैं। प्बहीं, दूसरे यूजर ने लिखा, अब इंतजार नहीं हो रहा है।

एकता कपूर करेंगी शो को प्रोड्यूस बता दें कि गौरव खन्ना और श्रद्धा आर्या के इस नए शो को एकता कपूर प्रोड्यूस करने वाली हैं। दोनों कलाकार पहले भी एकता कपूर के शोज में काम कर चुके हैं। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि इस बार एकता कपूर, गौरव खन्ना और श्रद्धा आर्या के साथ क्या नया लेकर आती हैं। दर्शकों को भी दोनों की जोड़ी को एक साथ देखने का बेसब्री से इंतजार है। हालांकि, अभी तक शो के नाम और इसकी कहानी से जुड़ी कोई जानकारी सामने नहीं आई है।



नाक के काले दानों से हैं परेशान, ब्लैकहेड्स के लिए आजमाएं ये 5 घरेलू नुस्खे

चेहरे पर डेड सेल्स के नीचे ऑयल जमा होने के कारण स्किन पर छोटे-छोटे दानों आने लगते हैं। हवा का संपर्क में आने के कारण ऑक्सीडाइज्ड होने के कारण यह दाने काले हो जाते हैं। ज्यादातर नाक के पास होने वाले इन ब्लैकहेड्स को हटाना बहुत ही मुश्किल होता है क्योंकि ये जड़ से स्किन के साथ जुड़े होते हैं और आसानी से निकलने का नाम भी नहीं लेते। ऐसे में आपकी यह परेशानी को सुलझाते हुए आज आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे बताते हैं जिनके जरिए आप ब्लैकहेड्स की समस्या से राहत पा सकते हैं। आइए जानते हैं.....

बेकिंग सोडा

1 चम्मच बेकिंग सोडा में 1 चम्मच पानी मिलाकर पेस्ट बनाएं। तैयार पेस्ट को ब्लैकहेड्स पर लगाएं। 10–15 मिनट के बाद त्वचा धो लें। यह त्वचा पर एक्सफोलिएटर की तरह काम करेगा और इससे स्किन पर मौजूद एक्स्ट्रा ऑयल भी दूर होगा।

केले का छिलका

ब्लैकहेड्स के ऊपर केले का छिलके का अंदरुनी भाग लगाएं। इससे भी आपको फायदा मिलेगा। वहीं नियमित केले का छिलका लगाने से ब्लैकहेड्स खुद ही दूर होने लगेंगे।

अंडा

एक कटोरी में अंडे की सफेदी लें और उसमें एक चम्मच शहद मिला लें। अब इस मिश्रण को ब्लैकहेड्स पर लगाएं और 15–20 मिनट के लिए लगा रहने दें। आखिर में हल्का गर्म पानी लगाते हुए त्वचा धो लें। हफ्ते में 2 बार इस्तेमाल करने से आपको फर्क दिखने लगेगा।

हल्दी

एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर हल्दी भी ब्लैकहेड्स के लिए बेहद लाभकारी मानी जाती है। इसमें जरूरत के अनुसार, नारियल का तेल मिलाएं और पेस्ट बना लें। पेस्ट को 10–15 मिनट के लिए चेहरे पर लगाएं। हफ्ते में 2–3 बार लगाएं। समस्या से राहत मिलेगी।

ग्रीन टी

एक चम्मच ग्रीन टी की पत्तियों को लें और उन्हें पानी में मिलाकर पेस्ट बना लें। तैयार पेस्ट का मिश्रण चेहरे पर लगाने के 20 मिनट बाद हल्के गर्म पानी से धो लें। ब्लैकहेड्स ठीक होने लगेंगे।



सर्दी-जुकाम के मौसम में बनाएं ये Garlic Coriander Soup, मिनटों में होगा तैयार

बदलते मौसम में सर्दी-जुकाम से बचाव और सेहत के लिए लहसुन, धनिया और काली मिर्च का सूप एक बेहतरीन विकल्प है। इसे घी, दालचीनी, लहसुन, धनिया, काली मिर्च और नींबू के रस से बेहद आसानी से तैयार किया जा सकता है। कम समय में बनने वाला यह गर्मागर्म सूप बदलते मौसम के दौरान शरीर को काफी सुकून देता है।

मौसम बदल रहा है, इसलिए इस दौरान सेहत का ध्यान रखने के लिए खान-पान में भी थोड़ा बदलाव जरूरी है। अगर आप भी बदलते मौसम में सर्दी-जुकाम से बचने के लिए कुछ आसान और गर्मागर्म बनाना चाहते हैं, तो यह रेसिपी आपके काम आ सकती है।

अगर आप बहुत व्यस्त हैं और कुछ ज्यादा बनाने का समय नहीं है, तो लहसुन, धनिया और काली मिर्च का यह सूप जरूर ट्राई कर सकते हैं। इसे बनाना बेहद आसान है और गर्म-गर्म सूप मौसम बदलने के दौरान काफी सुकून देने वाला लगता है।

लहसुन-धनिया सूप बनाने की सामग्री

- 1 बड़ा चम्मच घी
- 1 दालचीनी का टुकड़ा
- 10 बारीक कटे हुए लहसुन
- 2 बड़े चम्मच बारीक कटी हुई धनिया की डंठल
- 500 मिली पानी
- 1 बड़ा चम्मच काली मिर्च पाउडर
- 1 छोटा चम्मच नमक
- आधी मुट्ठी ताजा धनिया पत्ती
- थोड़ा सा नींबू का रस ताजासब्जियां लें

ऐसे बनाएं लहसुन-धनिया सूप

सबसे पहले एक बर्तन को मध्यम आंच पर रखें और उसमें 1 बड़ा चम्मच घी डालें। घी गर्म होने पर इसमें 1 दालचीनी का टुकड़ा डालें।

अब इसमें 10 बारीक कटे हुए लहसुन और 2 बड़े चम्मच बारीक कटी हुई धनिया की डंठल डालकर करीब 1 मिनट तक भूनें। जब इसकी खुशबू आने लगे, तो इसमें 500 मिली पानी डाल दें।

इसके बाद 1 बड़ा चम्मच काली मिर्च पाउडर और 1 छोटा चम्मच नमक डालें। इसे करीब 5 मिनट तक धीमी आंच पर पकने दें।

आखिर में आधी मुट्ठी ताजा धनिया पत्ती और थोड़ा सा नींबू का रस डालें। अच्छी तरह मिलाएं और बस, आपका गर्मागर्म लहसुन-धनिया सूप तैयार है।

विविध

घर की खिड़कियों के लिए कैसे चुनें सही ब्जतजंपदे, दिशा और फैंब्रिक का रवें ध्यान

घर को सुंदर को बनाने के लिए सही पर्दे चुनना जरूरी है, हालांकि अधिकतर लोग फैब्रिक और दिशा का तालमेल समझना काफी जरूरी है। इंटीरियर एक्सपर्ट के अनुसार, उत्तर या पूर्व दिशा की खिड़कियों से आने वाली हल्की रोशनी के लिए शशीयर कर्टेसज़ और कॉटन-लिनैन का कॉम्बिनेशन बेस्ट होता है।

अगर आप दक्षिण-पश्चिम की तेज धूप और बेडरूम की प्राइवेंसी के लिए श्व्लैकआउट बेस्ट होता है, वहीं दक्षिण-पश्चिम की तेज धूप और बेडरूम की प्राइवेंसी के लिए श्व्लैकआउट पर्देश की जरूरत होती है। इसके अलावा, ड्रॉइंग रूम को लग्जरी टच देने के लिए वेलवेट कर्टेस और सही ट्रैक्स का चयन करें।

उत्तर या पूर्व दिशा की खिड़कियां

यदि आपके कमरे की खिड़की उत्तर या पूर्व दिशा में हैं और वह काफी बड़ी है, तो वहां शीयर पर्दे का इस्तेमाल कर सकते हैं। इन दिशाओं से सुबह की लाइट और सुकून वाली रोशनी आएगी। शीयर पर्दे हल्के और ट्रांसपेरेंट होते हैं, जो घर के अंदर भरपूर प्राकृतिक रोशनी आएगी। रूम को ब्राइट व हवादार बना सकते हैं।

प्राइवेंसी और रोशनी दोनों के लिए सही पर्दे

अगर आपके कमरे में उत्तर या पूर्व दिशा की तरफ खिड़की से रोशनी के साथ-साथ ही प्राइवेंसी चाहिए, तो आप सिंगल ट्रैक की जगह 'डबल ट्रैक कर्टेन' को चूज कर सकते हैं। इसमें एक ट्रैक पर ट्रांसपेरेंट शीयर कर्टेन रहता है और दूसरे ट्रैक पर थिक कॉटन या लिनैन का पर्दा लगाया जाता है। दिन के समय शीयर पर्दा लगाकर रोशनी आने दें। रात के समय कॉटन/लिनैन का पर्दा बंद करके प्राइवेंसी बना सकते हैं।

दक्षिण या पश्चिम दिशा के लिए ब्लैकआउट पर्दे इस्तेमाल करें

वहीं, घर की दक्षिण और पश्चिम दिशा की खिड़कियों से



ज्यादातर लोगों के अक्ल दाढ़ किशोरावस्था के आखिर में या वयस्क होने की शुरुआत में निकलते हैं, आमतौर पर, इसकी बात तब शुरू होती है जब आप डेंटिस्ट के पास जाते हैं। लेकिन कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जिन्हें इस बात की कोई चिंता नहीं करनी पड़ती। अक्ल दाढ़ जिन्हें तीसरे मोलर भी कहा जाता है, अक्सर इन्हें निकलवाना पड़ता है क्योंकि या तो ये ठीक से नहीं निकलते या फिर मुंह में इनके लिए पर्याप्त जगह नहीं होती। हालांकि, कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जिनके अक्ल दाढ़ होते ही नहीं हैं, इसलिए उन्हें इस प्रक्रिया से कभी नहीं गुजरना पड़ता। आइए जानते हैं कि ऐसा कैसे हो सकता है।

कुछ लोगों के अक्ल दाढ़ क्यों नहीं होते?

चेहरे के ओपन पोर्स से राहत दिलाएंगे क्यूकम्बर आइस क्यूब और ग्रीन टी टोनर

चिपचिपी स्किन और चेहरे पर होने वाले बड़े-बड़े ओपन पोर्स अक्सर हमारे चेहरे की रंगत को फीका कर देते हैं। वहीं पास से देखने पर त्वचा का ग्लो भी कम लगता है। ऐसे में आप इन ओपन पोर्स ले राहत पाने के लिए लोग मार्केट में मिलने वाले महंगे स्किन केयर प्रोडक्ट्स का यूज करती हैं, तो वहीं कुछ महिलाएं पार्लर जाकर ट्रीटमेंट कराती हैं।

ऐसे में अगर आप भी इस ओपन पोर्स की समस्या से छुटकारा पाना चाहती हैं, तो आप घर पर सिर्फ 5 मिनट में 2 नुस्खे अपना सकती हैं। इससे ओपन पोर्स कम होंगे और आपकी स्किन नेचुरली ग्लो करेगी।

आजमाएं ये घरेलू उपाय

अगर आप भी रोजाना 5 मिनट वाले नुस्खे को आजमाती हैं, तो इससे धीरे-धीरे ओपन पोर्स की समस्या खत्म हो सकती है।

खीरे के रस का आइस क्यूब

ओपन पोर्स को कम करने के लिए आप खीरे के रस से बने आइस क्यूब्स का यूज कर सकती हैं।

इसके लिए सबसे पहले खीरे का रस निकाल लें और आइस ट्रे में जमने के लिए रख दें।

जब यह रस जमकर आइस क्यूब बन जाए, तो इसको एक साफ और सूती कपड़े में लपेट लें।

इस आइस क्यूब से फेस पर हल्के हाथों से मसाज करें।

इस तरह से करने से ओपन पोर्स सिकुड़ने लगते हैं और आपका फेस नेचुरली ग्लो करता है।

ग्रीन टी और एलोवेरा जेल का होममेड टोनर

इसके अलावा आप यह 5 मिनट वाला नुस्खा भी आजमाकर देख सकती हैं। इसके लिए आप आसानी से घर पर होममेड टोनर बनाकर तैयार कर सकती हैं।



घर को खूबसूरत बनाने के लिए खिड़की की दिशा अनुसार सही पर्दे चुनना जरूरी है। उत्तर या पूर्व दिशा के लिए शीयर व कॉटन पर्दे और दक्षिण-पश्चिम की तेज धूप रोकने के लिए ब्लैकआउट पर्दे सबसे सही रहते हैं। वहीं ड्रथइंग रूम को लग्जरी लुक देने के लिए वेलवेट पर्दे बेहतरीन विकल्प हैं, बस इनके रखरखाव का भी ध्यान रखें।

दोपहर के समय बहुत तेज और सीधी धूप आती है, जो कमरे को बेहद गर्म कर देते हैं। इस तरह की जगह और बड़ी खिड़कियों के लिए श्व्लैकआउट कर्टेसज़ ही सबसे बेहतरीन ऑप्शन हैं। ये पर्दे तेज धूप और हानिकारक न्ट किरणों को 100: तक रोक सकते हैं और कमरे को ठंडा रखने में भी मदद करेगी।

ड्रॉइंग रूम और होम थिएटर के लिए वेलवेट पर्दे लगाएं

यदि आप अपने फॉर्मल ड्रॉइंग रूम या लक्जरी होम थिएटर को रॉयल लुक देने के लिए आप घर में वेलवेट कर्टेस का इस्तेमाल कर सकते हैं। वेलवेट फैब्रिक बेहद भारी, सॉफ्ट और प्रीमियम दिखता है जो कमरे के इंटीरियर को लक्जरी टच प्रदान

करता है। इसके साथ ही होम थिएटर में साउंड एब्जॉर्प्शन के लिए भी वेलवेट पर्दे काफी प्रभावशाली नजर आएंगे। फैब्रिक मेंटेनेंस और सफाई का ध्यान रखें अगर आपके घर में महंगे-महंगे पर्दे लगे हुए है, तो आपको उनका मेंटेनेंस का ध्यान बहुत जरूरी है। शीयर, कॉटन और लिनैन के पर्दे को घर पर आप आसानी से वॉश कर सकते हैं। वहीं, वेलवेट और भारी ब्लैकआउट पर्दों की सफाई के लिए ड्राई क्लीनिंग की जरूरत होती है। खासकर अपने बजट, कमरे के प्रयोग और रखरखाव की सुविधा को ध्यान में रखकर ही पर्दे के कपड़े और स्टाइल का अंतिम फैसला जरूर करें।

करता है। इसके साथ ही होम थिएटर में साउंड एब्जॉर्प्शन के लिए भी वेलवेट पर्दे काफी प्रभावशाली नजर आएंगे। फैब्रिक मेंटेनेंस और सफाई का ध्यान रखें अगर आपके घर में महंगे-महंगे पर्दे लगे हुए है, तो आपको उनका मेंटेनेंस का ध्यान बहुत जरूरी है। शीयर, कॉटन और लिनैन के पर्दे को घर पर आप आसानी से वॉश कर सकते हैं। वहीं, वेलवेट और भारी ब्लैकआउट पर्दों की सफाई के लिए ड्राई क्लीनिंग की जरूरत होती है। खासकर अपने बजट, कमरे के प्रयोग और रखरखाव की सुविधा को ध्यान में रखकर ही पर्दे के कपड़े और स्टाइल का अंतिम फैसला जरूर करें।

अक्ल दाढ़ के कारण भी दांतों में रहता है दर्द, जानिए इसे निकलवाना कितना है जरूरी?

के भी अक्ल दाढ़ न हों।

अक्ल दाढ़ के ना निकलने पर क्या होता है?

अगर आपने कभी अपने अक्ल के दांत नहीं देखे हैं, तो यह मान लेना स्वाभाविक है कि आपके अक्ल के दांत हैं ही नहीं, लेकिन ये दिखाई न देने पर भी मौजूद हो सकते हैं। अगर अक्ल के दांत ठीक से नहीं निकलते हैं, तो वे मसूड़ों में फंस जाते हैं, जिससे उनमें चोट लगने और संक्रमण होने का खतरा बढ़ जाता है, जो दूसरे दांतों तक फैल सकता है। कुछ मामलों मेंअक्ल के दांत मसूड़ों से पूरी तरह बाहर नहीं निकल पाते हैं, जिससे लगातार दर्द हो सकता है। अगर आप किशोरावस्था के आखिरी दौर या बीस साल की उम्र के शुरुआती दौर में हैं और आपको समझ नहीं आ रहा है कि आपके मुंह में दर्द क्यों हो रहा है, तो शायद अब समय आ गया है कि आप इस समस्या के बारे में अपने दंत चिकित्सक से सलाह लें।

अक्ल दाढ़ निकालने की प्रक्रिया

कोई भी प्रक्रिया शुरू करने से पहले, आपके डेंटिस्ट आपको एनेस्थीसिया देंगे, ताकि अक्ल दाढ़ निकालने के दौरान आपको बिल्कुल भी दर्द न हो। अगर अक्ल दाढ़ मसूड़ों में फंसी हुई है, तो डेंटिस्ट मसूड़ों में चीरा लगाएंगे, जिसके जरिए इन दाढ़ों को बाहर निकाला जा सके। अगर ये दाढ़ें बहुत बड़ी हैं तो उन्हें छोटे टुकड़ों में बांटा जा सकता है, जिससे उन्हें निकालना आसान हो जाता है। अक्ल दाढ़ें, चाहे पूरी तरह बाहर निकलें या न निकलें, मुंह की कई स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकती हैं। अगर आपको लगता है कि ये अक्ल दाढ़ें आपको परेशान कर रही हैं, तो अपने डेंटिस्ट से सलाह लें। इससे आप फिर से आराम से मुस्कुरा सकेंगे और खाना चबा सकेंगे।



चेहरे के बड़े ओपन पोर्स और चिपचिपी त्वचा से राहत पाने के लिए महंगे प्रोडक्ट्स के बजाय घरेलू नुस्खे अपनाए जा सकते हैं। खीरे के रस से बना आइस क्यूब चेहरे का एक्स्ट्रा अश्वयल कम कर पोर्स सिकोड़ता है। वहीं ग्रीन टी और एलोवेरा जेल से बना टोनर त्वचा को हाइड्रेट कर कसाव लाता है।

इस टोनर को बनाने के लिए सबसे पहले ताजा एलोवेरा जेल लें और फिर इसमें पकी हुई ग्रीन टी का ठंडा पानी इसमें मिक्स करें।

इसके बाद दोनों को अच्छे से मिक्स करें और फिर इसको एक स्प्रे बोतल में भर लें।

अब रात को सोने से पहले इस टोनर को अपने फेस पर स्प्रे करें।

इस टोनर को रातभर के लिए फेस पर लगा रहने दें और

अगली सुबह नॉर्मल पानी से फेसवॉश कर लें।

इन उपायों के फायदे

बता दें कि जब भी आप आइस क्यूब का इस्तेमाल करती हैं, तो इससे त्वचा का एक्स्ट्रा ऑयल कम होता है। जिससे मेकअप के समय किसी भी तरह की परेशानी नहीं होती है। साथ ही धीरे-धीरे ओपन पोर्स भी कम होने लगते हैं। ग्रीन टी और एलोवेरा स्किन को अंदर से हाइड्रेट रखने में मदद करता है और ओपन पोर्स को कसने में भी मददगार साबित होते हैं।

सक्षिप्त



US Dollar के मुकाबले Rupee 29 पैसे मजबूत, 94.62 के स्तर पर पहुंचा

रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में 29 पैसे मजबूत होकर 94.62 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। घरेलू बाजार में सकारात्मक रुख और अमेरिकी डॉलर की मांग पर अंकुश लगाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के हस्तक्षेप से रुपये को समर्थन मिला। बाजार विश्लेषकों के अनुसार, बुधवार को सार्वजनिक अभिदान के लिए खुले जियो के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से जुड़े विदेशी डॉलर प्रवाह से भी रुपये को समर्थन मिला। हालांकि, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और अमेरिकी डॉलर में मजबूती ने रुपये की बढ़त को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया मजबूत होकर 94.78 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद और मजबूत होकर 94.62 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 29 पैसे की बढ़त है। रुपया सोमवार को दो पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले दो 94.91 पर बंद हुआ था। दशहरा के कारण मंगलवार को विदेशी मुद्रा बाजार बंद था। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक मामूली 0.06 प्रतिशत बढ़कर 101.58 पर आ गया। घरेलू शेयर बाजार में सेंसेक्स 665.10 अंक चढ़कर 74,518 अंक पर जबकि निफ्टी 188.40 अंक की बढ़त के साथ 23,077.35 अंक पर रहा। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट कच्चा तेल का भाव वायदा कारोबार में 1.42 प्रतिशत बढ़कर 110.33 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को शुद्ध रूप से 1,148.64 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे।

कर्मयोगी भारत और ओपनएआई में समझौता,

सिविल सेवकों को मिलेगी एआई ट्रेनिंग

सार्वजनिक क्षेत्र की गैर—लाभकारी कंपनी कर्मयोगी भारत और ओपनएआई ने भारत की सिविल सेवाओं में क्षमता विकास को मजबूत करने के लिए सहयोग की बुधवार को घोषणा की। इसका उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों को कृत्रिम मेधा (एआई) का आत्मविश्वास के साथ उपयोग करने और नई क्षमताओं के जरिये जनसेवाओं के बेहतर परिणाम हासिल करने में मदद करना है। कर्मयोगी भारत आईजीओटी कर्मयोगी मंच का संचालन और प्रबंधन करती है। यह मंच सिविल सेवा के अधिकारियों को उनकी दक्षता बढ़ाने के लिए कभी भी, कहीं भी और किसी भी उपकरण से सीखने की सुविधा देता है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस सहयोग के तहत ओपनएआई अकादमी के क्षमता विकास संबंधी संसाधनों को आईजीओटी कर्मयोगी के शिक्षण तंत्र में शामिल किया जाएगा। इससे केंद्र और राज्यों में सरकारी कर्मचारियों को इन संसाधनों तक पहुंच मिलेगी। यह पहल 'मिशन कर्मयोगी' के लक्ष्यों के अनुरूप पेशेवर, अच्छी तरह प्रशिक्षित और भविष्य की जरूरतों के लिए तैयार सिविल सेवा के निर्माण में मदद करेगी। कर्मयोगी भारत की मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) छवि भारद्वाज ने कहा, "प्रौद्योगिकी शासन के तौर—तरिकों को बदल रही है। ऐसे में सिविल सेवकों को ऐसे व्यावहारिक कौशल की जरूरत है, जिनका वे अपने रोजमर्रा के काम में सीधे इस्तेमाल कर सकें। आईजीओटी कर्मयोगी पर ओपनएआई अकादमी के संसाधन उपलब्ध कराकर हमारा उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों को एआई का आत्मविश्वास के साथ उपयोग करने, इसका जिम्मेदारी से इस्तेमाल करने और नई क्षमताओं के जरिए जनसेवाओं के बेहतर परिणाम हासिल करने में मदद करना है।" ओपनएआई इंडिया में रणनीति एवं सरकारी मामलों की प्रमुख प्रज्ञा मिश्रा ने कहा कि भारत में एआई के अवसर इस बात पर निर्भर करेंगे कि लोगों और संस्थानों की प्रौद्योगिकी तक पहुंच कितनी है, इसके साथ ही वे इसका प्रभावी ढंग से इस्तेमाल कैसे करते हैं। छवि ने कहा, "यह सहयोग क्षमता विकास को सरकार की बदलती जरूरतों के अनुरूप बनाए रखने और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार सिविल सेवा के मिशन कर्मयोगी के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने में मदद करेगा।"

जियो प्लेटफॉर्मर्स का आईपीओ खुलने के

100 मिनट में पूरी तरह सब्सक्राइब

जियो प्लेटफॉर्मर्स लिमिटेड (जेपीएल) के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बुधवार को खुलने के 100 मिनट के भीतर ही पूर्ण अभिदान मिल गया। इसके साथ ही यह अब तक का सबसे तेजी से पूर्ण अभिदान पाने वाला आईपीओ बन गया है। बीएसई की वेबसाइट पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, 30,213 करोड़ रुपये के इस निर्गम का मूल्य दायरा 1,065 से 1,119 रुपये प्रति शेयर है। इसमें संस्थागत निवेशकों ने बेहद दिलचस्पी दिखाई। पात्र संस्थागत निवेशकों (क्यूआईबी) के लिए आरक्षित हिस्सा पहले 10 मिनट में ही पूर्ण अभिदान पा गया और 30 मिनट से भी कम समय में इसके लिए मांग लगभग दोगुनी हो गई। आंकड़ों के अनुसार, इसके बाद क्यूआईबी के लिए आरक्षित हिस्से को 2.86 गुना अभिदान मिला, जबकि कुल निर्गम को 0.83 गुना अभिदान मिला। खुलने के 100 मिनट के भीतर ही कुल निर्गम को पूर्ण अभिदान मिल गया। जियो प्लेटफॉर्मर्स का यह सार्वजनिक निर्गम 2024 में हुंदै मोटर इंडिया के 27,870 करोड़ रुपये के आईपीओ को पीछे छोड़कर मूल्य के लिहाज से देश का सबसे बड़ा निर्गम बन जाएगा। जियो के शेयर के लिए 1,065 से 1,119 रुपये के मूल्य दायरे के ऊपरी स्तर पर कंपनी का मूल्यांकन करीब 108 अरब डॉलर बैठता है। इस निर्गम के तहत 27 करोड़ नए शेयर जारी किए जा रहे हैं। बिक्री पेशकश का हिस्सा नहीं होने का मतलब है कि मौजूदा शेयरधारक अपने शेयर नहीं बेच रहे हैं। सार्वजनिक निर्गम से पहले कंपनी ने सोमवार को 212 बड़े (एंकर) निवेशकों को 1,119 रुपये प्रति शेयर की दर से करीब 8,110 करोड़ रुपये के शेयर आवंटित किए थे। एंकर निवेशकों के लिए आरक्षित शेयरों के मुकाबले 2.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बोलियां मिलीं। जियो प्लेटफॉर्मर्स के प्रबंध निदेशक आकाश अंबानी ने मंगलवार को कहा कि कंपनी की प्रौद्योगिकी, कृत्रिम मेधा (एआई) और क्लाउड क्षेत्र में विस्तार की योजनाएं दूरसंचार कारोबार से आगे उसकी वृद्धि को गति देगी।

खेल

आईसीसी अंडर–19 महिला टी20 विश्व कप शेड्यूल जारी, 22 जनवरी को वेस्टइंडीज से भिड़ेगा भारत

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने आगामी अंडर—19 महिला टी20 विश्व कप का कार्यक्रम जारी कर दिया है, जो 21 जनवरी से शुरू होगा। फाइनल मुकाबला 6 फरवरी को खेला जाएगा। वहीं, भारत अपने अभियान की शुरुआत 22 जनवरी को काठमांडू में वेस्टइंडीज के खिलाफ करेगा। इस बीच, चार टीमों वाले शुरुआती दौर में मौजूदा चौपियन को आयरलैंड और सह—मेजबान नेपाल के साथ ग्रुप । में रखा गया है। कुल मिलाकर, इस प्रतियोगिता में 16 टीमें हिस्सा लेंगी, जिन्हें चार ग्रुप में बांटा गया है; इनमें से शीर्ष टीमें आगे बढ़ेंगी। दूसरी सबसे अच्छी दो टीमें सुपर सिक्स में जगह बनाएंगी।

बांग्लादेश बनाम UAE से होगी शुरुआत बांग्लादेश और संयुक्त अरब अमीरात (UAE) 21 जनवरी को दुर्नमैंट की शुरुआत करेंगे। पिछले संस्करण में उपविजेता रही ऑस्ट्रेलिया की टीम, उसी दिन सिलहट में नाइजीरिया के खिलाफ अपने अभियान का आगाज करेगी। पहले दिन काठमांडू में दो और मुकाबले खेले जाएंगे। अपर मुलपानी इंटरनेशनल

क्रिकेट ग्राउंड पर श्रीलंका का सामना स्कॉटलैंड से होगा, जबकि इसके बाद इंग्लैंड और अमेरिका के बीच मुकाबला खेला जाएगा। नेपाल अपना पहला मैच 22 जनवरी को आयरलैंड के खिलाफ खेलेगा, वहीं चटोग्राम में न्यूजीलैंड का मुकाबला समोआ से और दक्षिण अफ्रीका का सामना पाकिस्तान से होगा।

सुपर सिक्स में दो ग्रुप ग्रुप चरण 26 जनवरी को समाप्त होगा। इसके बाद क्वालीफाई करने वाली सभी टीमें रशुपर सिक्सस राउंड में पहुंचेंगी, जहां उन्हें दो ग्रुप में बांटा जाएगा। हर ग्रुप की शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी, जो 4 फरवरी को चटोग्राम में खेले जाएंगे। खास बात यह है कि 5 फरवरी को एक शरिजर्व डेश भी रखा गया है। 6 फरवरी को चटोग्राम में ही चौपियनशिप मैच (फाइनल) खेला जाएगा, और जरूरत पड़ने पर 7 फरवरी को शरिजर्व डेश के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकेगा।

समूह: समूह A: भारत, आयरलैंड, वेस्टइंडीज और नेपाल समूह B: दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और समोआ



समूह C: ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, नाइजीरिया और संयुक्त अरब अमीरात (UAE) समूह D: इंग्लैंड, श्रीलंका, संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) और स्कॉटलैंड ICC महिला T20 विश्व कप का पूरा शेड्यूलरु गुरुवार, 21 जनवरी — बांग्लादेश बनाम UAE गुरुवार, 21 जनवरी — श्रीलंका बनाम स्कॉटलैंड गुरुवार, 21 जनवरी — ऑस्ट्रेलिया बनाम नाइजीरिया गुरुवार, 21 जनवरी — इंग्लैंड बनाम USA शुक्रवार, 22 जनवरी — न्यूजीलैंड बनाम समोआ शुक्रवार, 22 जनवरी —

नेपाल बनाम आयरलैंड शुक्रवार, 22 जनवरी — दक्षिण अफ्रीका बनाम पाकिस्तान शुक्रवार, 22 जनवरी — भारत बनाम वेस्ट इंडीज देसीउत्पाद खोजें शनिवार, 23 जनवरी — UAE बनाम नाइजीरिया शनिवार, 23 जनवरी — USA बनाम स्कॉटलैंड शनिवार, 23 जनवरी — बांग्लादेश बनाम ऑस्ट्रेलिया शनिवार, 23 जनवरी — श्रीलंका बनाम इंग्लैंड रविवार, 24 जनवरी — समोआ बनाम दक्षिण अफ्रीका रविवार, 24 जनवरी — नेपाल बनाम भारत

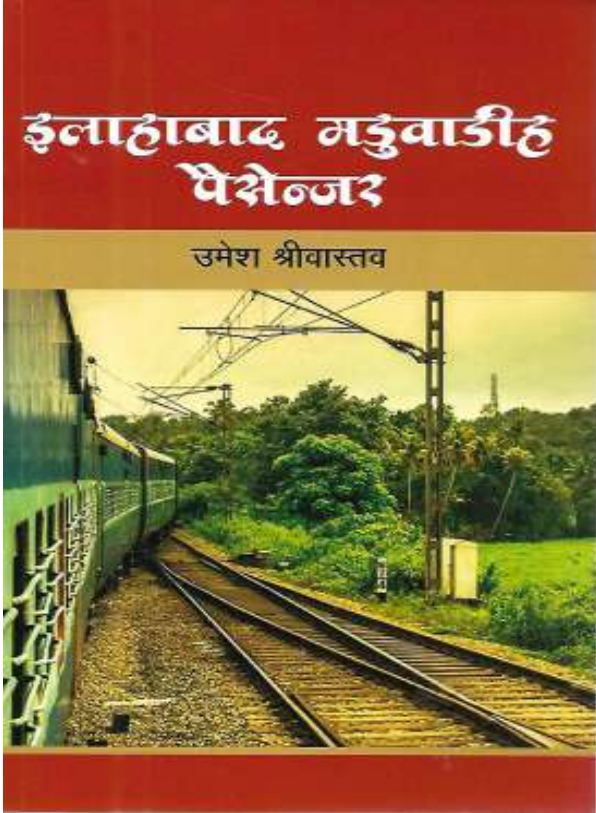
रविवार, 24 जनवरी — पाकिस्तान बनाम न्यूजीलैंड रविवार, 24 जनवरी — आयरलैंड बनाम वेस्ट इंडीज सोमवार, 25 जनवरी — ऑस्ट्रेलिया बनाम UAE सोमवार, 25 जनवरी — इंग्लैंड बनाम स्कॉटलैंड सोमवार, 25 जनवरी — बांग्लादेश बनाम नाइजीरिया सोमवार, 25 जनवरी — USA बनाम श्रीलंका मंगलवार, 26 जनवरी — पाकिस्तान बनाम समोआ मंगलवार, 26 जनवरी — वेस्ट इंडीज बनाम नेपाल मंगलवार, 26 जनवरी — न्यूजीलैंड बनाम दक्षिण अफ्रीका मंगलवार, 26 जनवरी —

भारत बनाम आयरलैंड बुधवार, 27 जनवरी — A4 बनाम D4 गुरुवार, 28 जनवरी — B4 बनाम C4 गुरुवार, 28 जनवरी — A3 बनाम D2 गुरुवार, 28 जनवरी — D1 बनाम A2 शुक्रवार, 29 जनवरी B3 बनाम C2 शुक्रवार, 29 जनवरी — C1 बनाम B2 शनिवार, 30 जनवरी — B1 बनाम C3 रविवार, 31 जनवरी — A2 बनाम D3 रविवार, 31 जनवरी — A1 बनाम D2 सोमवार, 1 फरवरी — D1 बनाम A3 सोमवार, 1 फरवरी — C1 बनाम B3 सोमवार, 1 फरवरी — C3 बनाम B2 मंगलवार, 2 फरवरी — D3 बनाम A1 मंगलवार, 2 फरवरी — B1 बनाम C2 गुरुवार, 4 फरवरी — सेमीफाइनल 1 गुरुवार, 4 फरवरी — सेमीफाइनल 2 शनिवार, 6 फरवरी — फाइनल

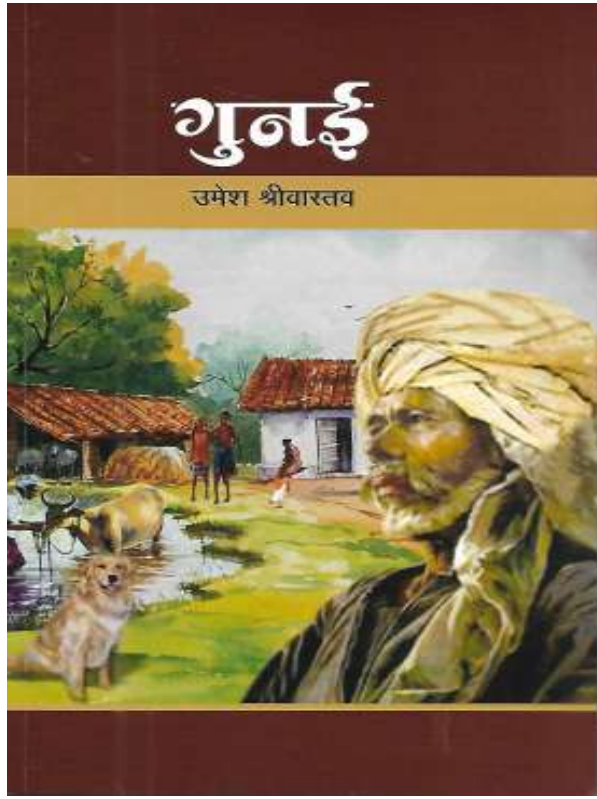
भुवनेश्वर कुमार की गेंदबाजी समझ है बेजोड़: अख्यर

न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से पहले भारतीय कप्तान श्रेयस अख्यर ने तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की टीम में वापसी का स्वागत किया है। अख्यर ने उनके आईपीएल अनुभव और फॉर्म की जमकर तारीफ की। चार साल बाद टी20आई में लौटे भुवनेश्वर 100 टी20आई और 300 अंतरराष्ट्रीय विकेटों के अहम मुकाम के बेहद करीब हैं। भारतीय कप्तान श्रेयस अख्यर ने 21 अक्टूबर को क्राइस्टचर्च में न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले पहले मैच से पहले, अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की राष्ट्रीय टी20 इंटरनेशनल (ज20ए) टीम में वापसी पर खुशी जताई है। अख्यर ने भुवनेश्वर के अनुभव और इंडियन प्रीमियर लीग (फ्स) में उनके हालिया प्रदर्शन का जिक्र करते हुए

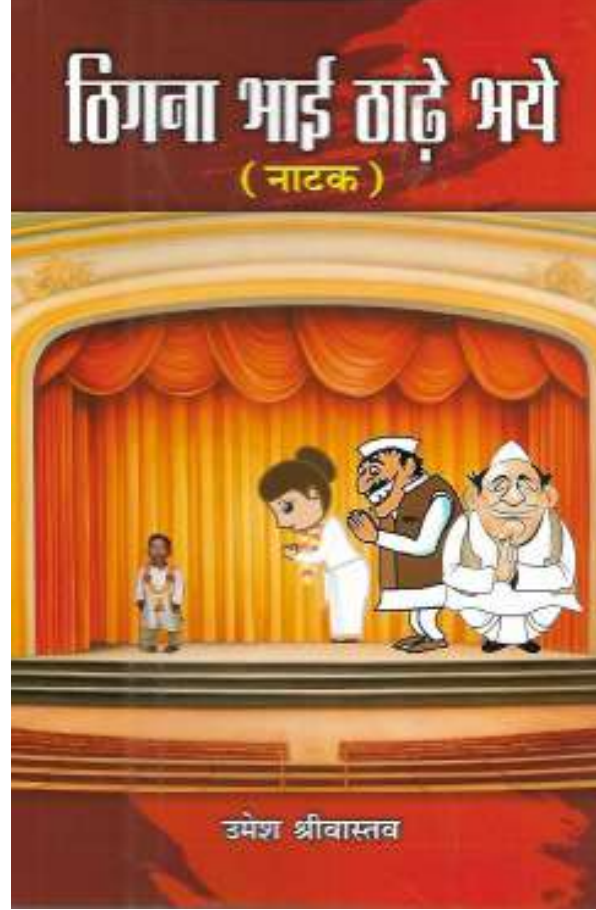
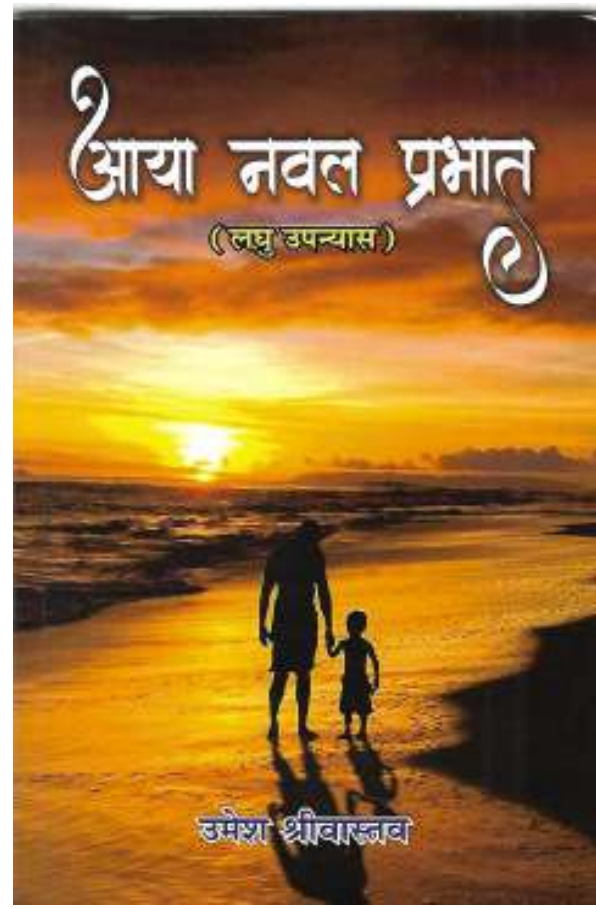
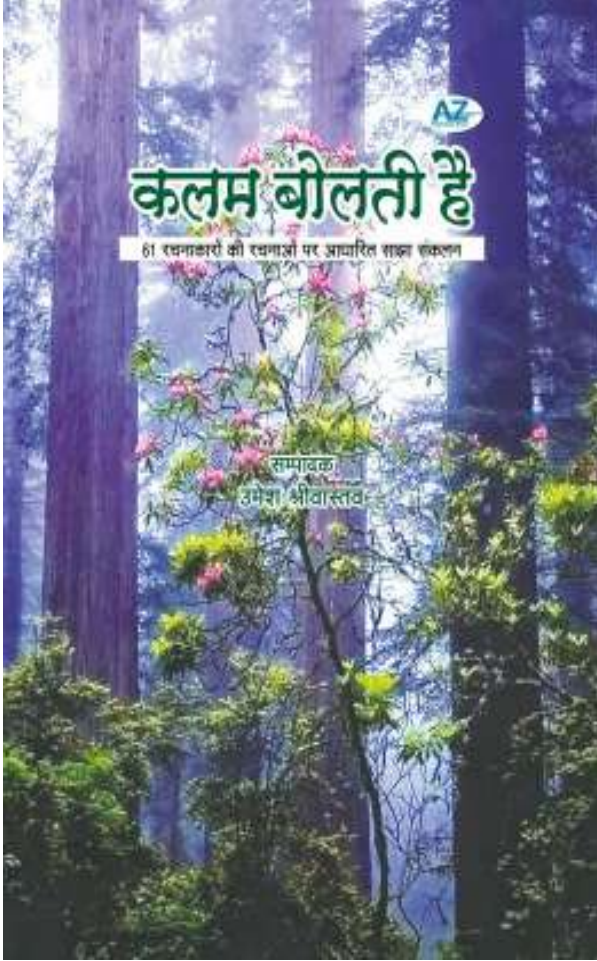
कहा कि इससे साबित होता है कि वे टी20 फॉर्मेट में बेहतरीन प्रदर्शन कर सकते हैं। अख्यर ने कहा कि वे टीम में काफी अनुभव लेकर आए हैं, जिसकी हमें कमी महसूस हो रही थी — खासकर फ्स के बाद। हमारे पास कई नए गेंदबाज थे। लेकिन अगर आप टी20 में उनके करियर ग्राफ को देखें, तो उन्होंने पिछले दो सालों में फ्स जीता है। इसलिए, उन्हें इस फॉर्मेट में अपना दबदबा बनाए रखने की अच्छी समझ है। आगामी पांच मैचों की ज20ए सीरीज इसलिए खास है क्योंकि इसमें चार साल बाद भुवनेश्वर भारत के लिए इस फॉर्मेट में वापसी कर रहे हैं। उनका पिछला ज20ए मैच नवंबर 2022 में नेपियर में न्यूजीलैंड के खिलाफ था, जहां उन्होंने चार ओवर फेंके, कोई विकेट नहीं लिया और 35 रन दिए। वह



समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पेशेन्जर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।



चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित



Thigna Bhai Thade Bhaye (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

फ्रांस में महंगाई और बदहाल स्कूलों पर
उग्र प्रदर्शन, सरकार ने बढ़ाया नाइट कर्फ्यू

फ्रांस के प्रधानमंत्री सोलर्वेटियन लेकानू ने 24 अक्टूबर को होने वाले नए विरोध-प्रदर्शनों से पहले भारी संख्या में पुलिस बल तैनात करने का वादा किया है। सरकार ने रात का कर्फ्यू बढ़ा दिया है और सुख्खा कड़ी कर दी है। यह कदम जीवन-यापन की बढ़ती लागत और स्कूलों की बिगड़ती स्थिति को लेकर कई दिनों तक चले हिंसक विरोध-प्रदर्शनों के बाद उठाया गया है। सीबीएन न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, यह फैसला तब लिया गया जब गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज ने माना कि प्रशासन ने विरोध-प्रदर्शनों की गंभीरता को कम करके आंका था, और शनिवार को हुए प्रदर्शनों के दौरान कुछ शहरों में स्थिति उनके नियंत्रण से बाहर हो गई थी। न्याय मंत्री गेराल्ड डारमानिन ने बताया कि सोमवार शाम तक 2,500 से ज्यादा लोगों को पुलिस हिरासत में ले लिया गया था। हिंसा के दौरान लिमोगेस



में एक ऐतिहासिक टाउन हॉल में आग लगा दी गई, जबकि दुकानों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में लूटपाट की गई और उन्हें नुकसान पहुँचाया गया। पेरिस के श्लेस डे ला रिपब्लिक और श्लेस हालेस शॉपिंग इलाके में रात के समय कर्फ्यू लागू है। ल्योन और कई अन्य शहरों में भी इसी तरह की पाबंदियाँ लगाई गई हैं। सोमवार रात पेरिस और ल्योन में कोई बड़ी घटना न होने के बाद, प्रशासन ने इन उपायों को और बढ़ा दिया है। रविवार को अपने संबंधन में, राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों और दंगा-लूटपाट करने वालों के बीच फर्क स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि सरकार प्रदर्शनकारियों की शिकायतें सुनेगी, लेकिन साथ ही यह भी साफ किया कि हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। विरोध प्रदर्शन सितंबर के मध्य में शुरू हुए, जब पेरिस के बाहरी इलाकों में हाई स्कूल के छात्र और शिक्षक कक्षाओं में अत्यधिक मीडू, स्कूल की जर्जर इमारतों और शिक्षकों की कमी को लेकर सड़कों पर उतर आए। बाद में, ट्रेड यूनियनों और श्येलो वेस्ट्र (मंससवू टमेज) कार्यकर्ताओं ने भी इस आंदोलन में हिस्सा लिया। यह आंदोलन अब जीवन-यापन की बढ़ती लागत और सार्वजनिक सेवाओं की बदहाली के खिलाफ एक व्यापक अभियान का रूप ले चुका है। शिक्षा से जुड़ी चिंताओं के जवाब में, सरकार ने उन स्कूलों में 3,000 से अधिक वैकल्पिक शिक्षक भेजने का वान किया है, जहाँ शिक्षकों की सबसे ज्यादा कमी है।

पेशावर हाई कोर्ट ने पूर्व सीएम सोहेल अफरीदी की स्थिति पर मांगी 10 दिन में रिपोर्ट

पाकिस्तान के एक उच्च न्यायालय ने खैबर पख्तूनख्वा के पूर्व मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी को कथित तौर पर अवैध रूप से हिरासत में रखे जाने का आरोप लगाने वाली एक याचिका पर बुधवार को प्रांतीय पुलिस प्रमुख और वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों से उनको ठिकाने और कानूनी स्थिति के बारे में 10 दिन के भीतर रिपोर्ट मांगी। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इसाफ (पीटीआई) पार्टी के अफरीदी और कई अन्य नेताओं को 11 अक्टूबर को खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति के कारण आपात स्थिति लागू किए जाने के तुरंत बाद हिरासत में ले लिया गया था। पेशावर उच्च न्यायालय ने एक लिखित आदेश में पुलिस महानिरीक्षक, राजधानी शहर के पुलिस अधिकारी, मुख्य सचिव और गृह सचिव को यह स्पष्ट करने का निर्देश दिया कि क्या अफरीदी को गिरफ्तार किया गया है या उन्हें किसी अपराधिक मामले में नामजद किया गया है। अदालत ने उन्हें 10 दिन के भीतर अफरीदी के ठिकाने और उनकी कानूनी स्थिति के बारे में रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए तीन नवंबर की तारीख तय की। यह याचिका अफरीदी के भाई मुहम्मद आमिर ने दायर की थी। उन्होंने अफरीदी को बरामद किए जाने का अनुरोध करते हुए दायर किया कि पूर्व मुख्यमंत्री को अवैध रूप से हिरासत में रखा गया है। याचिका के अनुसार, पेशावर के राजधानी शहर पुलिस हाकरी (सीसीपीओ) की मौजूदगी में हथियारबंद और नकाबपोश लोगों ने अफरीदी का कथित तौर पर अपहरण कर लिया था।

Human Rights के नाम पर चुनिंदा देशों को निशाना न बनाए यूएन, भारत ने दी सख्त नसीहत

भारत ने हाल के विदेश-प्रदर्शनों से निवृत्ति के तरीके पर संयुक्त राष्ट्र की आलोचना का जवाब दिया है। भारत ने चेतावनी दी है कि देश की नकारात्मक छवि पेश करने के लिए बिना पुष्टि वाले आरोपों और आर्थिक आंकड़ों का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। यह प्रतिक्रिया तब आई है, जब संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार विशेषज्ञों ने पुलिस द्वारा अत्यधिक बल प्रयोग, बड़ी संख्या में लोगों की गिरफ्तारी और शांतिपूर्ण प्रदर्शनों पर पाबंदियों को लेकर चिंता जताई है।

पर्थ। (द कन्वररेशन) कल्पना कीजिए कि आप भारत के 'गोल्डन ट्रायंगल' त्रिकोण यानी दिल्ली, आगरा और जयपुर की छुट्टियों पर जाने की योजना बना रहे हैं। इसके लिए आप ढेरों वेबसाइट पर जानकारी जुटा सकते हैं, समीक्षाएं पढ़ सकते हैं और दोस्तों से सुझाव मांग सकते हैं। या फिर आप चोटजीपीटी या अथवा जेमिनी को अपनी यात्रा की तारीखें, बजट और रुचियां बता सकते हैं और कुछ ही सेकंड में अपनी यात्रा की पूरी योजना हासिल कर सकते हैं। ऐसा करने वाले आप अकेले नहीं हैं। ऑस्ट्रेलिया के बहुत से लोग पहले से ही इस तरीके को अपना रहे हैं। वयस्क यात्रियों पर किए गए एक हालिया सर्वेक्षण के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया के 28.8 प्रतिशत लोगों ने यात्रा के दौरान किरायाती विकल्प खोजने, गंतव्यों के बारे में जानकारी जुटाने और अपनी यात्रा की योजना तैयार करने के लिए 'सृजनात्मक कृत्रिम मेधा' (एआई) का इस्तेमाल किया। ऑस्ट्रेलियाई सरकार के शोध के अनुसार, जेन-जी यानी युवा पीढ़ी के यात्रियों में यह आंकड़ा 30 प्रतिशत है। एआई अब यात्रियों और उनके द्वारा चुने जाने वाले पर्यटन स्थलों, होटल तथा यात्रा के दौरान मिलने वाले अनुभवों के बीच एक प्रमुख माध्यम बनता जा रहा है। हमारे नए शोध का

उद्देश्य यह समझना था कि किन कारणों से यात्री अपनी यात्रा से जुड़े फैसेल एआई मंचों को सौंपने के लिए तैयार होते हैं। हमारे शोध में क्या सामने आया ऑस्ट्रेलिया के लोगों ने 2024-25 में विदेश यात्राओं के सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ते हुए कुल 1.23 करोड़ यात्राएं कीं। यह पिछले वर्ष की तुलना में 11.6 प्रतिशत अधिक था। इसके अलावा, देश के भीतर 11.3 करोड़ यात्राएं भी की गईं। हमारे निष्कर्ष बताते हैं कि यात्रा की योजना बनाने के लिए सृजनात्मक एआई का इस्तेमाल करके यात्री पांच विशेषताओं पर विचार करते हैं। ये हैं—विश्वसनीयता, जवाबदेही, भरोसेमंद होना, निष्पक्षता और पारदर्शिता। हमने यह भी जांचा कि यात्री किस तरह तक अपनी यात्रा से जुड़े फैसेल सृजनात्मक एआई को सौंपने के लिए तैयार हैं। इसमें एआई टूल से यात्रा की योजना बनवाने से लेकर अंतिम निर्णय लेने और सुझाव देने की जिम्मेदारी उन्हें सौंपना शामिल था। यात्री एआई का इस्तेमाल करने के लिए तब अधिक तैयार होते हैं, जब उन्हें लगता है कि वह विश्वसनीय है और उसकी सेवाएं देने वाली कंपनियों को उनकी सिफारिशों के लिए जवाबदेह ठहराया जा सकता है। साथ ही, समस्या आने पर उनसे उसका समाधान करने की अपेक्षा भी की जा सकती है। इसका अर्थ है कि यदि एआई सटीक, एकसमान और भरोसेमंद सुझाव देता है, तो लोग अपनी यात्रा की योजना बनाने का नियंत्रण उसे सौंपने के लिए तैयार हो सकते हैं। लेकिन इसके कुछ पहलू ऐसे भी हैं, जिन पर ध्यान देना जरूरी है। ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने वेबसाइट 'स्मार्टट्रैवलर' आगाह करती है कि एआई परिवहन सेवाओं की पुरानी समय-सारिणी, वीजा संबंधी गलत जानकारी और ऐसे होटलों की सिफारिश कर सकता है जो बंद हो चुके हैं। यात्रियों का भरोसा कैसे बढ़ता है? हमारे अध्ययन में पाया गया कि यात्रियों का भरोसा कायम करने में एआई की जवाबदेही की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जब यात्रियों को लगता है कि एआई मंच अपनी सिफारिशों के लिए जिम्मेदार हैं और उन्हें जवाबदेह ठहराया जा सकता है, तो वे उनसे अपने फैसेल करवाने के लिए अधिक तैयार होते हैं। इस बीच, आर्थिक संकट और विकास संयंत्र (ओईसीडी) के एआई सिद्धांत अधिक पारदर्शिता और व्याख्यात्मक क्षमता के माध्यम से जिम्मेदार एआई को बढ़ावा देते हैं। पारदर्शिता के तहत यह स्पष्ट होना चाहिए कि किसी काम में एआई का इस्तेमाल किया जा रहा है, जबकि

व्याख्यात्मक क्षमता से आशय एआई की सिफारिशों के पीछे के तर्कों को समझ पाने की उसकी क्षमता से है। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया के 421 लोगों पर किए गए हमारे अध्ययन के निष्कर्ष इस आम धारणा को चुनौती देते हैं कि अधिक स्पष्टीकरण देने से हमेशा भरोसा बढ़ता है। हमने सृजनात्मक एआई का इस्तेमाल करने वाले ऑस्ट्रेलिया के यात्रियों का सर्वेक्षण करने का फैसला इसलिए किया, क्योंकि एआई के इस्तेमाल के मामले में ऑस्ट्रेलिया दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल है। पारदर्शिता का विरोधाभास हमारे अध्ययन का सबसे चौंकाने वाला निष्कर्ष पारदर्शिता से जुड़ा था। जिम्मेदार एआई से संबंधित रूपरेखाएं उचित रूप से इस बात पर जोर देती हैं कि संस्थानों को अपनी प्रणालियों की क्षमताओं, सीमाओं और जोखिमों के बारे में स्पष्ट जानकारी देनी चाहिए। ऑस्ट्रेलिया की संघीय सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार एआई को अपनाते समय पारदर्शिता और उसके काम करने के तरीके की व्याख्या इस बात के अनुरूप होनी चाहिए कि एआई का इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जा रहा है, उपयोगकर्ताओं को उसके बारे में सही जानकारी देना है और कि उसने जुड़े जोखिम कितने हैं। हालांकि, हमारे अध्ययन में एक

अलग ही तस्वीर सामने आई। इसके अनुसार, यात्रियों को एआई की कार्यप्रणाली जितनी अधिक पारदर्शी लगी, वे यात्रा से जुड़े फैसलों की जिम्मेदारी उससे साँपने के लिए उतने ही कम इच्छुक दिखे। यह रुझान फैंसले साँपने के सभी स्तरों पर देखने को मिला। हम इसे पारदर्शिता का विरोधाभास कहते हैं। लोग अक्सर भास का इस्तेमाल इसलिए करते हैं, ताकि उन्हें जानकारी खोजने, विवेकपूर्ण की तुलना करने और तथ्यों की जाँच करने में मानसिक मेहनत न करनी पड़े। लेकिन यद्यपि एआई प्रणाली इसके बाद यह विस्तार से बताते लगे कि उसने हर उड़ान, समीक्षा और होटल की विशेषता को किस तरह परखा, तो इससे मिलने वाली सुविधा कम होने लगती है। स्पष्टीकरण पढ़ना एक अतिरिक्त गृहकार्य जैसा महसूस होने लगता है। हमारे निष्कर्षों का यह अर्थ नहीं है कि पारदर्शिता बुरी चीज है या कंपनियों को एआई के काम करने के तरीके को छिपाना चाहिए। इसके बजाय, वे बताते हैं कि पारदर्शिता कितनी उपयोगी साबित होगी, यह इस बात पर निर्भर करता है कि जानकारी किस तरह दी जाती है। ऑस्ट्रेलिया के यात्रियों के लिए इसका क्या अर्थ है? 'टूरिज्म ऑस्ट्रेलिया' की एक हालिया रिपोर्ट में एआई के माध्यम से पर्यटन स्थलों की खोज यानी यात्रा के बारे में जानकारी जुटाने और उसकी बुकिंग के लिए एआई के इस्तेमाल को एजेंसी की रणनीतिक प्राथमिकताओं में शामिल किया गया है। एजेंसी यह भी मानती है कि यात्री अपने गंतव्य का चुनाव करने और उससे जुड़ी बुकिंग करने के लिए तेजी से एआई तथा एआई एजेंटों का इस्तेमाल कर रहे हैं। मान लीजिए कि आप अपनी अगली विदेश यात्रा की योजना बना रहे हैं। ऐसे में आपको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए: — जानकारी की तथ्य—जाँच करें। उदाहरण के लिए, यह सुनिश्चित करें कि ट्रेन के रवाना होने का समय सही है या नहीं और जिस होटल की सिफारिश की गई है, वह वास्तव में मौजूद है या नहीं। — यह पता करें कि गड़बड़ी होने पर जवाबदेह कौन होगा। यह मानकर न चलें कि अधिक स्पष्टीकरण मिलने का अर्थ यह है कि एआई अधिक भरोसेमंद भी है। भविष्य में यात्रा की योजना बनाने और उससे जुड़े फैसले लेने की प्रक्रिया में मनुष्य और एआई के बीच सहयोग की भूमिका बढ़ने की संभावना है। एआई मंच उपलब्ध जानकारी का विश्लेषण करेगा और यात्रा के वित्तीय तैयार करेगा, जबकि अविकल्पित लेने का नियंत्रण यात्री के पास ही रहेगा।

माकौ रुबियो ने भारत में विरोध प्रदर्शनों को बताया
आंतरिक मामला, यूएन एक्सपर्ट्स पर कसा तंज

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञान कुमार के खिलाफ 'संयुक्त राष्ट्र' के विरोध प्रदर्शनों को भारत का अंतरिम मामला बताया। साथ ही, प्रदर्शनों के दौरान पुलिस की कार्यवाही की आलोचना करने वाले संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों को उन्होंने 'ऑक्समोरो' (विरोधभासा) करार दिया। सीजेपी विरोध-प्रदर्शनों और पुलिस की कार्यवाही पर संयुक्त राष्ट्र (यूएन) विशेषज्ञ की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए, रुबियो ने कहा, 'ओह, नू विशेषज्ञ, मेरे पसंदीदा! नू विशेषज्ञ तो अपने आप में एक विरोधभासा हैं। पत्रकारों से बात करते हुए रुबियो ने कहा कि यह एक धरेलू राजनीतिक मामला है।' मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं



करने जा रहा हूँ। यह एक लोकतंत्र है, यहाँ चुनाव होते हैं। मैं उनके घरेलू राजनीतिक मामलों पर अपनी कोई राय नहीं दूँगा। अमेरिका में भी हम रोजाना विरोध-प्रदर्शन देखते हैं। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों ने दिल्ली में युवाओं के नेतृत्व वाले प्रदर्शनों के प्रति भारतीय पुलिस की घखलत कार्रवाई की आलोचना की है। उन्होंने अधिकारियों से शांतिपूर्ण प्रदर्शनों

की रक्षा करने और इन प्रदर्शनों तथा पहले हुए प्रदर्शनों के दौरान कथित मानवाधिकार उल्लंघनों के मामलों में न्याय सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। जबरन गायब किए जाने (एनफोर्सड डिस्पियर्स) से जुड़े कार्य समूह के एजेंडे पर चर्चा के दौरान, विदेश मंत्रालय की उप सचिव बरखा ताम्रकारा ने मानवाधिकारों के उल्लंघन के आरोपों से निपटने के लिए भारत राजनीतिक दबाव डालने या चुनिंदा देशों को निशाना बनाने के साधन के रूप में नहीं किया जाना चाहिए। भारत अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार तंत्रों के साथ जुड़ा है, लेकिन इस जुड़ाव का आधार बातचीत, परामर्श और सहयोग होना चाहिए, जिसमें बिना किसी भेदभाव के सबको शामिल करना और पारदर्शिता बरतना मुख्य सिद्धांत होने चाहिए।

पाकिस्तान के नौकरशाह बना रहे भागने का प्लान ! रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने उठाए सवाल

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि पाकिस्तान को कई मौजूदा नौकरशाह विदेश में, खासकर पुर्तगाल में बसने की योजना बना रहे हैं। यह जानकारी पाकिस्तान के अखबार श्द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने दी है। पिछले कुछ वर्षों में कई नौकरशाह पुर्तगाल, अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन और यूरोप चले गए हैं। रक्षा मंत्री ने एक्स (टिवटर) पर आरोप लगाया कि कुछ अधिकारियों ने सरकारी नौकरी में रहते हुए ही विदेश जाने की एक शसोची-समझी योजनाश बनाई थी। उन्होंने देश के प्रति इन अधिकारियों की निष्ठा पर भी सवाल उठाए हैं। रक्षा मंत्री ने यह भी बताया कि जिस व्यक्ति ने इन नौकरशाहों को लिए परमानेंट रेजिडेंसी (स्थायी निवास) परमित का इंतजाम किया था, वह कई बड़े नौकरशाहों से भारी रकम वसूलने के बाद पाकिस्तान से भाग गया है। ये आरोप इस बात का संकेत हो सकते हैं कि पाकिस्तान को चलाने की जिम्मेदारी संभालने वाले पाकिस्तानी अधिकारी अपने लिए बचने का रास्ता तैयार कर रहे हैं, जबकि देश लगातार शासन और जवाबदेही से जुड़ी समस्याओं का सामना कर रहा है। आसिफ ने कथित पलायन के पैमाने को साबित करने के लिए कोई नाम या दस्तावेजी सबूत नहीं दिए हैं, लेकिन उनकी टिप्पणियों ने देश के ताकतवर नौकरशाहों की विदेश में बसने की महत्वाकांक्षाओं पर नए सिरों से सवाल खड़े कर दिए हैं। 18 अक्टूबर को श्द (पूर्व में

(दिवटर) पर एक पोस्ट में, पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने पाकिस्तान के कुछ नौकरशाहों पर आरोप लगाया कि उन्होंने सरकारी नौकरी में रहते हुए ही कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोप में बसने की तैयारी कर ली और बाद में वहां स्थायी रूप से रहने चले गए। उन्होंने बताया कि हाल के वर्षों में पुर्तगाल एक बहुत लोकप्रिय ठिकाना बन गया है। साथ ही, उन्होंने यह सवाल भी उठाया कि क्या ऊंचे पदों पर रहने वाले और सरकारी संरक्षण पाने वाले ये



अधिकारी पाकिस्तान के प्रति वफादार हैं, या फिर वे यहां बस ष्छ समय के लिए (ट्रांजिट पर) ही रुके थे?

आसिफ ने एक्स पर लिखा कि नौकरशाहों ने पाकिस्तान सरकार में रहते हुए ही, एक सोची-समझी योजना के तहत इसकी तैयारी कर ली थी। इससे अपने कार्यकाल के दौरान अपनी मातृभूमि और अपनी नौकरी के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर सवाल खड़े होते हैं। इन आरोपों ने नागरिक-सैन्य हाइब्रिड शासन की सिविल सेवा, विदेशों में संपत्ति के स्वामित्व और जवानबदेही तंत्र को लेकर फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं। पाकिस्तान में राजनीतिक उथल-पुथल और भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच प्रभावशाली हस्तियों के विदेश चले जाने का इतिहास, इस विवाद में एक और पहलू जोड़ता है।

परमाणु मुद्दा
महज बहाना
विदेश मंत्री
अब्बास अराघा
का बड़ा बयान

ईरान को विदेश मंत्री अब्बास अराघवी ने कहा है कि तेहरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर वाशिंगटन का लंबे समय से चला आ रहा विवाद महज एक झड़ाना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस्लामिक गणराज्य ने पिछले अंतरराष्ट्रीय समझौतों की शर्तों का पालन किया, लेकिन अमेरिका ने बिना किसी उचित कारण के इन समझौतों को फोड़ दिया। इराक के शूल-इखबारियास नेटवर्क को दिए एक साक्षात्कार में, अराघवी ने कहा कि वाशिंगटन का असली विरोध इस बात को लेकर है कि ईरान मध्य पूर्व में अमेरिकी वर्चस्व को स्वीकार करने से इनकार करता है। IRIB की रिपोर्ट के अनुसार, अराघवी ने कहा कि परमाणु मुद्दा तो बस एक बहाना है, असल में अमेरिकी लोग ईरान की विचारधारा का विरोध करते हैं और उसे स्वीकार नहीं करते। वे ईरान के उस दृष्टिकोण को पूरी तरह खारिज करते हैं, जो अमेरिकी प्रभुत्व का सामना करने और उसके सामने घुटने न टेकने पर जोर देता है।

माध्यम से पर्यटन स्थलों की खोज यानी यात्रा के बारे में जानकारी जुटाने और उसकी जाबकरी के लिए एआई के इस्तेमाल को एजेंसी की एरणनीतिक प्राथमिकताओं में शामिल किया गया है। एजेंसी यह भी मानती है कि यात्री अपने गंतव्य का चुनाव करने और उससे जुड़ी बुकिंग करने के लिए तेजी से एआई तथा एजेंटों का इस्तेमाल कर रहे हैं। मान लीजिए कि आप अपनी अगली विदेश यात्रा की योजना बना रहे हैं। ऐसे में आपको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए: — जानकारी की स्थिति—जांच कर। उदाहरण के लिए, यह सुनिश्चित करें कि ट्रेन के रवाना होने का समय सही है या नहीं और जिस होटल की सिफारिश की गई है, वह वास्तव में मौजूद है या नहीं। — यह पता करें कि गड़बड़ी होने पर जवाबदेह कौन होगा। यह मानकर न चले कि अधिक स्पष्टीकरण मिलने का अर्थ यह है कि एआई अधिक भरोसेमंद भी है। भविष्य में यात्रा की योजना बनाने और उससे जुड़े फैसले लेने की प्रक्रिया में मनुष्य और एआई के बीच सहयोग की भूमिका बढ़ने की संभावना है। एआई मंच उपलब्ध जानकारी का विश्लेषण करेगा और यात्रा के निर्णय तैयार करेगा, जबकि अंतिम फैसले लेने का नियंत्रण यात्री के पास ही रहेगा।

बलूचिस्तान के केच और मस्तुंग से 8 लोग गायब, पाकिस्तान सुरक्षा बलों पर आरोप

द बलूचिस्तान पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, बलूचिस्तान के केच और मस्तुंग जिलों में अलग-अलग घटनाओं में आठ लोगों को कथित तौर पर जबरन गायब कर दिया गया है, जबकि एक अन्य लाता व्यक्ति घर लौट आया है। मीडिया आउटलेट के अनुसार, केच के दुम्प इलाके में पाकिस्तानी बलों ने कथित तौर पर कोहाड़ में कई घरों पर छापा मारा और चार लोगों को हिरासत में ले लिया। इनकी पहचान बिलाल (हनीफ का बेटा), साबित (तापी का बेटा), मरवान (अयूब का बेटा) और अदील (कय्यूम का बेटा) के रूप में हुई है। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि वे अभी कहाँ हैं, इसका पता नहीं चल पाया है। सूत्रों ने यह भी आरोप लगाया कि छापेमारी के दौरान खुशाकर्मियों ने गहने, मोटरसाइकिल, घर का सामान और अन्य कीमती चीजें ले लीं। बताया गया है कि एक दुकान में भी तोड़फोड़ की गई और वहां का सामान ले लिया गया। एक अन्य घटना में, 17 अक्टूबर 2026 को शाम करीब 5 बजे, हाजी नासिर के बेटे तैयब नासिर (24) और पजीर नासिर (28) को तुरंत के आपसार स्थित उनके घर से कथित तौर पर उठा लिया गया। बुलेदा के गिली निवासी पजीर के साथ पहले भी तीन बार ऐसी ही घटना हो चुकी हैं, यानी यह चौथी बार है जब उन्हें कथित तौर पर गायब किया गया है।

प्रतापगढ़ व्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक
(तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित
शहर समता हिन्दी दैनिक / साप्ताहिक समाचार पत्र

समस्त जनपदों में • तहसील • ब्लॉक / शहर में
भर्ती - निम्न पदों हेतु

- ✓ ब्यूरो प्रमुख
- ✓ चीफ रिपोर्टर
- ✓ संपादकाता
- ✓ प्रतिनिधि मण्डल

- समाचार संकलन एवं ब्यूरो संचालन हेतु
 - क्षेत्रीय रिपोर्टिंग व समाचार कवरेज हेतु
 - स्थानीय समाचार, घटनाओं की रिपोर्टिंग हेतु
 - जिला/तहसील/ब्लॉक स्तर पर प्रतिनिधित्व हेतु

आकर्षक वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी

पात्रता एवं विवरण

- पत्रकारिता में रुचि रखने वाले अनुभवी/नवीन दोनों आवेदन कर सकते हैं
- स्थानीय जवरी और निम्न वेतन परीक्षण आवश्यक
- तत्काल जुड़ने के इच्छुक उम्मीदवारों को प्राथमिकता

संपर्क सूत्र:

📞 919005239332 📞 919450482227

संपर्क करें: शहर समता हिन्दी दैनिक / साप्ताहिक समाचार पत्र कार्यालय, प्रयागराज

हमारे साथ जुड़ें और पत्रकारिता में बनाएं अपना भविष्य !